■ वैशाख शुक्ल - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 282 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 11-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 वोट बैंक के लिए होता रहा महाराजा सुहेलदेव का अपमान

6 भविष्य की अहिंसक महाशक्ति होगा भारत

7 सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में काम करेंगी रश्मिका मंदाना

फर्स्ट टेक

मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर, दो जवान घायल

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में बारूदी सुरंग विस्फोट में दो जवान भी घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीड़िया गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि पुलिस को कमांडर वेल्ला, गंगालूर एरिया कमेटी का सचिव दिनेश मोड़ियम और लगभग 150 सशस्त्र माओवादियों की उपस्थिति की गुप्त सूचना मिली थी, जिसपर आठ मई को डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, डीआरजी सुकमा, 'बस्तर फाइटर', विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन के दल को नक्सल रोधी अभियान पर रवाना किया गया था।

रूस ने खारकीव के वोवचांस्क पर हमला किया : यूक्रेन

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के उत्तर-पूर्व शहर वोवचांस्क पर तोप के गोले और रॉकेट से हमला करने के साथ ही निर्देशित हवाई हमले किये। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि रात के समय गोलाबारी से खारकीव क्षेत्र में और रूसी सीमा से पांच किलोमीटर से कम दूरी पर स्थित वोवचांस्क को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद अधिकारियों ने लगभग 3,000 लोगों को वहां से निकालने की प्रक्रिया शुरू की। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तड़के रूसी सेना ने वोवचांस्क के पास यूक्रेनी सुरक्षा को भेदने की कोशिश की। उसने कहा कि हमले को रोकने के लिए आरक्षित इकाइयों को तैनात किया गया था।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की 75 उड़ानें रद्द

मुंबई/ नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार को चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण लगभग 75 उड़ानें रद्द कर दीं। कंपनी को रविवार तक परिचालन सामान्य होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन और कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार के विरोध में चालक दल के सदस्यों के एक समूह ने हड़ताल की थी। हालांकि उन्होंने मंगलवार रात हड़ताल वापस लेने की घोषणा कर दी थी। इसके साथ, एयरलाइन प्रबंधन ने भी चालक दल के 25 सदस्यों की बर्खास्तगी का पत्र वापस ले लिया। हड़ताल के कारण टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन को मंगलवार रात से ही करीब 250 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं।

11-05-2024 सूर्यास्त	6:26 बजे	12-05-2024 सूर्योदय	5:44 बजे

BSE	NSE
72,664.47 (+260.30)	22,055.20 (+97.70)

सोना	चांदी
7,370 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पर्दा उठाओ

पर्दा बुर्का घूंघट नकाब,
इन पर सबके हैं अपने मत।
ना हैं ये जबरन अधिकारिक,
कानून नहीं देता अभिमत।
बाधक हैं गर जन रक्षा में,
तो सिस्टम ले सकता जहमत।
बोले प्रतिकार करे औरत,
यदि ना होवे इस पर सहमत ।।

उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को शर्तों पर दी एक जून तक अंतरिम जमानत

50 दिन के बाद अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर पाबंदी समेत कई अन्य शर्तों पर शुक्रवार को एक जून तक के लिए अंतरिम जमानत दी और अपनी गिरफ्तारी के 50 दिन (39 दिन न्यायिक हिरासत और 11 दिन ईडी की हिरासत) के बाद तिहाड़ जेल से उन्हें रिहा कर दिया गया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने याचिकाकर्ता केजरीवाल और उन्हें (मुख्यमंत्री) गिरफ्तार करने वाली केन्द्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलीलें कई दिनों तक विस्तारपूर्वक सुनने के यह आदेश पारित करते हुए दो जून को संबंधित जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। पीठ ने लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल को राहत देते कहा, अंतरिम जमानत देने की शक्ति का प्रयोग आमतौर पर कई मामलों में किया जाता है। प्रत्येक मामले के तथ्यों के आधार पर अंतरिम जमानत दी जाती है। यह मामला अपवाद नहीं है।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को दिल्ली की आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) कथित घोटाला मामले में 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया था। ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने की वैधता को उन्होंने चुनौती दी, लेकिन अभी तक कोई जमानत याचिका दायर नहीं की है। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू के उस जोरदार विरोध को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत अंतरिम जमानत के आदेश के परिणामस्वरूप राजनेताओं को विशेषाधिकार या विशेष दर्जा मिल जाएगा।

केजरीवाल का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने रखा।

पीठ ने अपने आठ पन्नों के जमानती आदेश में कहा, अपीलकर्ता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री और एक राष्ट्रीय दल के नेता हैं। निस्संदेह उन पर गंभीर आरोप लगाए गए, लेकिन उन्हें अभी दोषी नहीं ठहराया गया है। उनका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। वह समाज के लिए कोई खतरा नहीं हैं। वर्तमान मामले में (केजरीवाल के खिलाफ) जांच अगस्त 2022 से लंबित है।'

न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने ईडी की ओर से 09 मई को दायर एक हलफनामे के तथ्यों का जिक्र करते हुए कहा कि तथ्यात्मक स्थिति की तुलना फसलों की कटाई या व्यावसायिक मामलों की देखभाल की याचिका से नहीं की जा सकती है। पीठ ने आगे कहा, '...जब मामला विचाराधीन और गिरफ्तारी की वैधता से संबंधित प्रश्न विचाराधीन हैं तो 18वीं लोकसभा के आम चुनाव के मद्देनजर अधिक समग्र और उदारवादी दृष्टिकोण उचित है।'

पीठ ने अपने आदेश में शर्तें लागते हुए कहा, वह (केजरीवाल) अपनी ओर से दिए गए बयान (अदालत में) का पालन करने को बाध्य होंगे। वह आधिकारिक (मुख्यमंत्री कार्यालय की) फाइलों पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे, जब तक कि यह आवश्यक न हो और दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक न हो। वह इस मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। मामले में किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और/या मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक उनकी पहुंच नहीं होगी।'

तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने कहा

हमें मिलकर देश को तानाशाही से बचाना है

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 50 दिनों की हिरासत के बाद शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आने पर भगवान हनुमान को धन्यवाद दिया और देश से ''तानाशाही'' खत्म करने की अपनी लड़ाई में जनता से समर्थन मांगा।

केजरीवाल शुक्रवार शाम जैसे ही जेल से बाहर आए, आप कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने 'जेल के ताले टूट गए, केजरीवाल छूट गए' के नारे लगाए। जेल के बाहर एक कार की सनरूफ के ऊपर खड़े होकर, भूरे रंग की टी-शर्ट पहने केजरीवाल ने उनके स्वागत के लिए वहां एकत्र हुए आप कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया।

'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे के साथ संबोधन की शुरुआत करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, मैं अपनी पूरी ताकत से तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं, लेकिन (देश के) 140 करोड़ लोगों को साथ आना होगा। हमें मिलकर इसके खिलाफ लड़ना है। उन्होंने कहा कि वह शनिवार पूर्वाह्न 11 बजे कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर जाएंगे और अपराह्न एक बजे आप कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। केजरीवाल ने कहा, मुझे आपके बीच आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने आपसे कहा था कि मैं जल्द ही बाहर आऊंगा...सबसे पहले, मैं भगवान हनुमान को प्रणाम करना चाहता हूं। हनुमान जी के आशीर्वाद से मैं आपके बीच हूं। उन्होंने लोगों से भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचने की अपील की।

विपक्षी नेताओं ने केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत का स्वागत किया

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों के विभिन्न नेताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम जमानत का स्वागत करते हुए शुक्रवार को कहा कि ''लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई'' अब और अधिक तेजी से लड़ी जायेगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उम्मीद जताई कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी उचित न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, ''हम उच्चतम न्यायालय द्वारा अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दिये जाने का स्वागत करते हैं...हम यह भी उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री को चार जून के बाद, जब वह भारत के पूर्व प्रधानमंत्री बनेंगे, साबरमती आश्रम में बैठकर आत्मनिरीक्षण करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा कि उन्होंने किस तरह की राजनीति की है।''

पीओके की एक-एक इंच जमीन भारत की : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खूंटी (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से संबंधित मुद्दे पर सवालिया निशान उठाने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि इसकी एक-एक इंच जमीन भारत की है तथा इसे कोई भी ताकत नहीं छीन सकती। शाह ने झारखंड के खूंटी में एक चुनावी रैली में कहा, ''मणिशंकर अय्यर हमसे कह रहे हैं कि पाकिस्तान का सम्मान करें क्योंकि उसके पास परमाणु बम है। कुछ दिन पहले 'इंडिया' गठबंधन के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि पीओके के बारे में बात मत करो क्योंकि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। मैं कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन को बताना चाहता हूं कि पीओके भारत का है और इसे कोई भी ताकत नहीं छीन सकती।''

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि कांग्रेस को क्या हो गया है। संसद में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि पीओके भारत का हिस्सा है। आप (कांग्रेस) अब परमाणु बम के बारे में बात करके पीओके पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। भाजपा का रुख स्पष्ट है कि पीओके की एक-एक इंच जमीन भारत की है और यह भारत का ही रहेगा।''

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक अनुच्छेद 370 को बरकरार रखा लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे निरस्त करना सुनिश्चित किया।

कांग्रेस 'हिंदू विरोधी', उसके लिए लूट, तुष्टिकरण, वंशवाद पहले : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस को 'हिंदू विरोधी' करार दिया और आरोप लगाया कि उसका इतिहास 'लूट, तुष्टिकरण और वंशवाद पहले' का रहा है। हैदराबाद और महबूबनगर लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए मोदी ने भरोसा जताया कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और समान नागरिक संहिता का विरोध करने वालों और 'वोट जिहाद' की बात करने वालों को चार जून को लोकसभा चुनावों के नतीजे घोषित होने पर हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज भारत एक 'डिजिटल' शक्ति, 'फिनटेक' शक्ति और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले देश में बम विस्फोट हुआ करते थे और इस तरह के आतंकवादी हमले अब नहीं होते। उन्होंने 2013 में हैदराबाद के दिलसुखनगर में हुए बम विस्फोट को भी याद किया और आश्चर्य जताया कि क्या वर्तमान चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को इसकी जानकारी है।

महबूबनगर लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के 'शहजादे' की शुरुआत चुनाव से पहले 'मोहब्बत की दुकान' से हुई थी, लेकिन चुनाव नजदीक आते-आते यह कमजोर हो गई। उन्होंने दावा किया कि 'शहजादे' (कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर इशारा) अब 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का समर्थन करने की बात करके समाज में जहर घोल रहे हैं।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की हालिया टिप्पणी का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले 'शहजादे के सलाहकार' ने दक्षिण भारतीय लोगों को अफ्रीकियों की तरह बताया है। उन्होंने दावा किया कि इसका मतलब है कि तेलंगाना के लोग अफ्रीकियों की तरह दिखते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आप जानते हैं क्यों, क्योंकि उन्हें आपकी त्वचा का रंग पसंद नहीं है। अब कांग्रेस त्वचा के रंग के आधार पर तय करेगी कि कौन अफ्रीकी है और कौन भारतीय।'' हिंदुओं और उनकी संस्कृति के प्रति कांग्रेस की 'नफरत' की हर दिन पोल खुलने का दावा करते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि 'शहजादे' को पढ़ाने वाले नेता ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनना चाहिए था।

मोदी ने दावा किया, ''उन्होंने घोषणा की कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी मनाना भारत की अवधारणा के खिलाफ है।'' उन्होंने कहा, ''मैं बड़े गर्व के साथ मंदिर जाता हूं। उन्होंने सर्टिफिकेट देकर इसे भी राष्ट्र-विरोधी बताया है। रामनवमी पर पूजा करते हैं या नहीं? क्या आप दर्शन के लिए अयोध्या जाना चाहते हैं कि नहीं? क्या आप पूजा करके राष्ट्र विरोधी गतिविधि करते हैं?''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस अपने ही देश में हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। क्या वे इसी वजह से वोट जिहाद की बात कर रहे हैं?'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस धर्म और जाति के नाम पर देश को बांटती है। कांग्रेस जानती है कि धर्म के आधार पर आरक्षण संविधान विरोधी है।

अभिव्यक्ति की आजादी का अर्थ अलगाववाद के समर्थन की आजादी नहीं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि खालिस्तानी अलगाववादी तत्वों को राजनीतिक प्रश्रय देकर कनाडा सरकार यह संदेश दे रही है कि उसका वोट बैंक उसके कानून के शासन से अधिक शक्तिशाली है।

जयशंकर ने बृहस्पतिवार को पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि भारत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान और पालन करता है, लेकिन इसका मतलब विदेशी राजनयिकों को धमकाने, अलगाववाद को समर्थन देने या हिंसा की वकालत करने वाले तत्वों को राजनीतिक प्रश्रय देने की स्वतंत्रता नहीं है।

पंजाब के सिख प्रवासियों के बीच खालिस्तान समर्थकों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले लोगों को कनाडा में प्रवेश करने और रहने की अनुमति कैसे दी जा रही है। उन्होंने कहा, किसी भी नियम-आधारित समाज में आप लोगों की पृष्ठभूमि, वे कैसे आए, उनके पास कौन सा पासपोर्ट था, आदि चीजों की जांच करेंगे।

विदेश मंत्री ने कहा, अगर आपके यहां ऐसे लोग हैं जो संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर वहां मौजूद हैं, तो यह आपके बारे में क्या कहता है? यह वास्तव में कहता है कि आपका वोट बैंक आपके कानून के शासन से अधिक शक्तिशाली है।

पित्रोदा ने कांग्रेस की मानसिकता को उजागर किया

नई दिल्ली/भाषा। जयशंकर ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह जो बातें कर रहे थे, वे संभवत: उन समूहों में होती हैं जिनका वह हिस्सा हैं, ये बातें संभवत: उन लोगों द्वारा की जाती हैं जिनका उन्होंने मार्गदर्शन किया है और मेरे विचार से इसके दो ऐसे हिस्से थे जिन्होंने मुझे व्यथित किया।'' उन्होंने कहा, ''पहला वह जिसे आप 'टाइपकॉस्ट' करना (किसी एक विशेष पहचान में बांधना) और नस्ली रूढ़िवादिता कहते हैं। मुझे लगता है कि इसने मुझे व्यथित किया। दूसरी व्यथित करने वाली बात, दरअसल वह अर्थ है जो इस टिप्पणी का तात्पर्य है - कि बहुत अलग-अलग तरह के लोग हैं और किसी तरह किसी ने इन्हें एक साथ रखा है, उन्हें एक साथ लाने, भारत को बनाने के लिए प्रयास करना पड़ा है।

कांग्रेस ने हरियाणा के राज्यपाल को दिया ज्ञापन

'अल्पमत' सरकार को बर्खास्त करने की मांग की

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को हरियाणा के राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन देकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'अल्पमत' सरकार को बर्खास्त करने की मांग की।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के मुख्य सचेतक बी.बी. बत्रा, विधायक दल के उप नेता आफताब अहमद ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को संबोधित ज्ञापन सौंपा जिसमें राज्य की राजनीतिक स्थिति का उल्लेख किया गया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में तीन निर्दलीय विधायकों ने नायब सिंह सैनी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था।

कांग्रेस ने कहा कि निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने से भाजपा सरकार विधानसभा में अल्पमत में आ चुकी है। बत्रा ने बताया कि उन्होंने राज्य के सचिव को अपना ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा, '' राज्यपाल साहब किसी काम से तेलंगाना चले गए थे।''

जननायक जनता पार्टी (जजपा) और इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) पहले ही सदन में सरकार से बहुमत साबित करने की मांग कर चुकी हैं।

दिल्ली आबकारी नीतिः

ईडी के नए आरोपपत्र में के. कविता आरोपी के तौर पर नामजद

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार को नया आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को आरोपी के तौर पर नामजद किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को 15 मार्च को हैदराबाद में उनके बंजारा हिल्स स्थित आवास से गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने कहा कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आरोप पत्र दायर किया गया।

केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री धामों के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट छह माह बंद रहने के बाद शुक्रवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और इसी के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो गया।

रूद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट सुबह सात बजे खुले जबकि उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम के कपाट 10 बजकर 29 मिनट पर और गंगोत्री के कपाट अपराह्न 12 बजकर 25 मिनट पर खोले गए। इस दौरान धामों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी अपनी पत्नी गीता के साथ केदारनाथ में द्वार खोले जाने की प्रक्रिया के साक्षी बने। इस दौरान बदरीनाथ, केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय भी मौजूद थे। 'बम-बम भोले' और 'बाबा केदार की जय' के उद्घोष के साथ प्रात: सात बजे विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच केदारनाथ मंदिर का मुख्य द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। सेना के ग्रेनेडियर रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय धुनों के साथ मंदिर परिसर में मौजूद करीब 10 हजार श्रद्धालु भक्ति भाव में डूब गए। केदारनाथ में मौसम साफ रहा, लेकिन आसपास बर्फ के कारण सर्द हवाएं चल रही थीं । ठंड के बावजूद श्रद्धालु परिसर में डमरू के साथ नृत्य करते दिखाई दिए। मंदिर को 20 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। कपाट खुलते समय तीर्थयात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी की गयी।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.66 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर पर : रिजर्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पिछले तीन सप्ताह की गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन मई को समाप्त सप्ताह में 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले, 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.41 अरब डॉलर घटकर 637.92 अरब डॉलर रहा था। यह कई सप्ताह की तेजी के बाद पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, तीन मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.46 अरब डॉलर बढ़कर 564.16 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 65.3 करोड़ डॉलर घटकर 54.88 अरब डॉलर रहा।

रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 20 लाख डॉलर बढ़कर 18.05 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 14 करोड़ डॉलर घटकर 4.49 अरब डॉलर रह गयी।

'इंडिया' गठबंधन में शामिल पार्टियां भ्रष्टाचार में डूबी हुई हैं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए उसे भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा करार दिया और लोगों से कहा कि वे भाजपा को वोट दें ताकि देश प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे।

हरियाणा के पंचकूला में एक रोडशो में नड्डा ने विपक्षी दलों पर वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। नड्डा ने अंबाला से भाजपा के उम्मीदवार बंतो कटारिया के पक्ष में रोडशो करते हुए कहा,मोदीजी कहते हैं कि भ्रष्टाचार मिटाओ, वे (विपक्षी दल) कहते हैं कि भ्रष्टाचार बचाओ और उन्हें फलने-फूलने दो। नड्डा ने कहा, कांग्रेस घोटालों की पार्टी है या नहीं। लालू (यादव) की पार्टी घोटाला करने वाली पार्टी है या नहीं। ममता (बनर्जी) ने घोटाले किये हैं या नहीं? द्रमुक का स्टालिन परिवार घोटाले में शामिल था या नहीं? के. कविता ने घोटाला किया है या नहीं? तो सारे भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। उन्होंने विपक्षी दलों पर वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उन्हें लोगों की कोई चिंता नहीं है। नड्डा ने कहा, फारूक अब्दुल्ला चाहते हैं कि उनका बेटा उमर मुख्यमंत्री बने। जब (पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह) बादल साहब वहां (जीवित) थे तो वह अपने बेटे सुखबीर (बादल) के लिए प्रयास करने में व्यस्त थे। चौटाला परिवार ने भी यही कोशिश की। उन्होंने कहा, हर जगह आप एक ही चीज देखते हैं। मुलायम (सिंह यादव) के बाद, अखिलेश आए हैं... (बिहार में) अब तेजस्वी हैं, ममता (बनर्जी) (अपने भतीजे) अभिषेक को देखती हैं, केसीआर कविता को देखते हैं, शरद पवार सुप्रिया सुले को देखते हैं, उद्धव को आदित्य ठाकरे नजर आते हैं...वे सभी वंशवादी पार्टियां हैं।''

मप्र से अपहृत छह महीने के बच्चे को नवी मुंबई में मुक्त कराया गया, छह गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। पुलिस ने मध्य प्रदेश से छह महीने के एक बच्चे का अपहरण करने के आरोप में नवी मुंबई से छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कल्याण के पुलिस उपायुक्त (जोन-तृतीय) सचिन गुंजल ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर कल्याण पुलिस ने नवी मुंबई के पनवेल इलाके में एक आवासीय इमारत से बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि बच्चे का अपहरण मध्य प्रदेश के रेवा जिले में उसके घर के पास से किया गया था और भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) एवं अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कल्याण के शाहद क्षेत्र के आसपास कहीं हैं जिसके बाद स्थानीय पुलिस को सतर्क कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दो टीमें बनाई गईं और उन्होंने दो महिलाओं एवं तीन पुरुषों पर नजर रखी जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

उन लोगों से हाथ नहीं मिला सकता जो संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि संसदीय लोकतंत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण खतरे में है और वह उन लोगों से हाथ नहीं मिलायेंगे जो इसमें विश्वास नहीं करते हैं।

पवार का यह बयान तब आया है जब प्रधानमंत्री ने राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) को लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में 'विलय कर अपना अस्तित्व मिटाने' के बजाय क्रमश: अजित पवार एवं एकनाथ शिंदे के साथ हाथ मिला लेने की सलाह दी है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट राय है कि संसदीय लोकतंत्र प्रधानमंत्री मोदी के कारण खतरे में है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया। यह (उनकी गिरफ्तारियां) केंद्र सरकार और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका के बगैर संभव नहीं था। यह दर्शाता है कि उन्हें लोकतांत्रिक प्रणाली में कितना विश्वास है।'' पवार ने कहा कि वह ऐसे किसी व्यक्ति, पार्टी या विचारधारा से हाथ नहीं मिला सकते जो संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता है। महाराष्ट्र के नंदुरबार में इससे पहले एक रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने पवार का नाम लिये बगैर कहा था कि 'डुप्लीकेट राकांपा एवं शिवसेना' ने चार जून के चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस में विलय कर लेने का मन बना लिया है, लेकिन उन्हें ऐसा करने के बजाय अजित पवार एवं एकनाथ शिंदे से हाथ मिला लेना चाहिए।

टाटा मोटर्स का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ तीन गुना होकर 17,528.59 करोड़ रुपये

नई दिल्ली/भाषा। टाटा मोटर्स का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ तीन गुना से अधिक होकर 17,528.59 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 5,496.04 करोड़ रुपये था। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 1,19,986.31 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 1,05,932.35 करोड़ रुपये थी।

कंपनी के अनुसार, चौथी तिमाही में तीनों मोटर वाहन व्यवसायों ने मजबूत प्रदर्शन किया। कंपनी की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर ने '' वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एक बार फिर रिकॉर्ड प्रदर्शन किया। इस तिमाही में राजस्व 7.9 अरब पाउंड रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है।'' निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन पर तीन रुपये प्रति साधारण शेयर तथा 3.10 रुपये प्रति 'ए' साधारण शेयर का अंतिम लाभांश और तीन रुपये प्रति साधारण शेयर तथा 3.10 रुपये प्रति 'ए' साधारण शेयर का विशेष लाभांश देने की सिफारिश की है। कंपनी का 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में एकीकृत शुद्ध लाभ 31,806.75 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह 2,689.87 करोड़ रुपये था।

एकीकृत परिचालन आय बढ़कर 4,37,927.77 करोड़ रुपये रही, जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 में 3,45,966.97 करोड़ रुपये थी।

'न्यायाधीशों' ने खुद को प्रचार अभियान का हिस्सा बना लिया : विनय सहस्त्रबुद्धे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

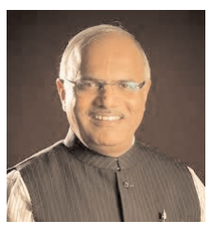

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने शुक्रवार को कहा कि 'न्यायाधीशों' ने चुनाव के बीच में खुद को प्रचार अभियान का हिस्सा बना लिया है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, '' चुनाव के बीच एक पक्ष को चुनकर लॉर्डशिप (न्यायाधीशों)...ने खुद को प्रचार अभियान का हिस्सा बना लिया है। जब अरबों मतपत्र बोलेंगे, तब यह शायद उन्हें पसंद नहीं आये।''

उनकी यह प्रतिक्रिया उच्चतम न्यायालय द्वारा केजरीवाल को वर्तमान लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत देने के बीच आयी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में गिरफ्तार किये गये केजरीवाल को दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा और जेल लौटना होगा। इस फैसले पर भाजपा नेता शहनवाज हुसैन ने कहा कि जमानत का मतलब बरी किया जाना नहीं होता है । उन्होंने कहा कि केजरीवाल की रिहाई का चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने पटना में संवाददाताओं से कहा कि भाजपा दिल्ली में सभी सात लोकसभा सीट जीतेगी।

दूरसंचार कंपनियां 28,200 फोन ब्लॉक करें, 20 लाख कनेक्शन का फिर से सत्यापन हो : दूरसंचार विभाग

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराधों के साथ कथित संलिप्तता में 28,200 मोबाइल फोन ब्लॉक करने और 20 लाख मोबाइल कनेक्शन का दोबारा सत्यापन करने का दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग, गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस ने साइबर अपराध तथा वित्तीय धोखाधड़ी में दूरसंचार संसाधनों का दुरुपयोग रोकने के लिए हाथ मिलाया है। इसका मकसद धोखेबाजों के गिरोह का खात्मा करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है। बयान के मुताबिक, ''गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस के विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल 'हैंडसेट' का दुरुपयोग किया गया। इन मोबाइल फोन के साथ करीब 20 लाख नंबरों का इस्तेमाल किया गया।''

एलआईसी का अप्रैल में प्रीमियम संग्रह एक दशक में सर्वाधिक 12,384 करोड़ रुपये रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का अप्रैल में प्रीमियम संग्रह 12,384 करोड़ रुपये रहा जो पिछले 10 वर्षों का सर्वाधिक मासिक संग्रह है।

जीवन बीमा परिषद के नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए एलआईसी ने कहा कि अप्रैल, 2024 में उसने कुल 12,383.64 करोड़ रुपये का प्रीमियम संकलित किया। यह अप्रैल 2023 में एकत्रित 5,810.10 करोड़ रुपये के प्रीमियम से 113.14 प्रतिशत अधिक है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय एलआईसी की नवीन विपणन रणनीतियों के साथ उसकी विश्वसनीयता तथा ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को दिया जा सकता है।

व्यक्तिगत प्रीमियम श्रेणी के तहत, एलआईसी ने अप्रैल में कुल 3,175.47 करोड़ रुपये का प्रीमियम एकत्र किया जो अप्रैल 2023 के 2,537.02 करोड़ रुपये से 25.17 प्रतिशत अधिक है। इस महीने में समूह प्रीमियम 182.16 प्रतिशत बढ़कर 9,141.34 करोड़ रुपये हो गया, जो अप्रैल 2023 में 3,239.72 करोड़ रुपये था।

हालांकि, यह वृद्धि समूह वार्षिक प्रीमियम श्रेणी में 100.33 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है, जो अप्रैल 2023 के 33.36 करोड़ रुपये से बढ़कर अप्रैल 2024 में 66.83 करोड़ रुपये हो गई।

कांग्रेस ने अपने शासनकाल में 80 बार किया संविधान संशोधन

विपक्ष कर रहा है लोगों को भ्रमित : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दल यह दावा कर लोगों को भ्रमित कर रहा है कि यदि भाजपा सत्ता में बनी रहती है तो वह संविधान बदल देगी। गडकरी कहा कि दरअसल यह कांग्रेस ही है जिसने अपने शासनकाल में 80 बार संविधान संशोधन किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की गलत आर्थिक नीतियों के कारण ही देश के लोग गरीब बने रहे।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी महाराष्ट्र में बीड लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी पंकजा मुंडे के समर्थन में मजलगांव में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, '' हमारा विपक्ष लोगों को तसल्ली नहीं दे पाया या आश्वस्त नहीं कर पाया। इसलिए वह उन्हें भ्रमित कर रहा है। वे (विपक्ष के नेता) कहते हैं कि हम (भाजपा) संविधान बदल देंगे। लेकिन उच्चतम न्यायालय का एक निर्णय है जो कहता है कि संविधान नहीं बदला जा सकता है, केवल संशोधन किया जा सकता है। अबतक कांग्रेस 80 बार संविधान में संशोधन कर चुकी है।''

गडकरी ने कहा, ''जबतक पंक्ति के आखिर में खड़ा निर्धन व्यक्ति लाभान्वित न हो जाता, तबतक हम नहीं रूकेंगे, अपना काम करते रहेंगे। देश में लोग कांग्रेस की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से गरीब बने रहे। हमने 10 साल काम किया लेकिन 60 सालों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। इसलिए, अब जब वह अपना काम को दिखाकर चुनाव नहीं लड़ सकती है तो वह लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।'' पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने मतदाताओं से इस चुनाव में जाति या धर्म के आधार पर वोट नहीं डालने की अपील की। उन्होंने कहा, ''जब हम हृदय की सर्जरी के लिए जाते हैं क्या हम डॉक्टर की जाति के बारे में सोचते हैं। यदि आप पंकजा को वोट देते हैं तो ही आप यहां रिंगरोड, फ्लाईओवर और सर्विस रोड के मुद्दों के समाधान के लिए मेरे पास आ सकते हैं।''

वाहनों का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि सीएनजी पर चल रहे दो पहिया वाहन पहले से ही कई कंपनियों द्वारा बनाये गये हैं। उन्होंने कहा, ''चीनी कारखानों को इन वाहनों के वास्ते ईंधन बेचने के लिए इथेनॉल पंप लगाने का लाइसेंस दिया जाएगा। अब किसान केवल ऊर्जा उत्पादक ही नहीं होंगे बल्कि वे कृषि अपशिष्टों से विमान ईंधन एवं बायो-बिटूमेन का भी उत्पादन करेंगे।''

प्रफुल्ल पटेल ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

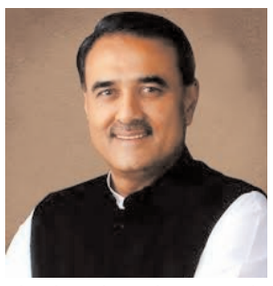

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता प्रफुल्ल पटेल ने शुक्रवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी में राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

पटेल को 21 फरवरी को राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका नया कार्यकाल इस साल अप्रैल में शुरू हुआ। पटेल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी गरिमामयी उपस्थिति में आज राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेना बड़े सम्मान की बात है।'' राकांपा नेता ने शपथ ग्रहण को 'देश की सेवा के लिए गंभीरता और प्रतिबद्धता से भरा क्षण' बताया। राज्यसभा सदस्य के रूप में पटेल का यह छठा कार्यकाल है। वह चार बार लोकसभा के लिए भी चुने गए। पटेल ने अपने पिछले कार्यकाल के बीच में राज्यसभा के सदस्य के रूप में इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 2026 में समाप्त होना था। दसवीं अनुसूची की धारा 2 (ए) के तहत शरद पवार के गुट वाले राकांपा की ओर से उन्हें अयोग्य ठहराए जाने के लिए की गई कार्यवाही से बचने के लिए उन्होंने ऐसा किया था। उक्त धारा में दलबदल के आधार पर अयोग्यता का प्रावधान है। पटेल ने अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा से हाथ मिलाया था। निर्वाचन आयोग ने अजित पवार गुट को असली राकांपा के रूप में मान्यता दी।

सामाजिक-आर्थिक गणना पर प्रधानमंत्री को चुप्पी तोड़नी चाहिए : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सामाजिक-आर्थिक गणना कराने और जाति-आधारित आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के मुद्दे पर अपनी 'चुप्पी' तोड़नी चाहिए। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को जाति जनगणना पर सवालों का जवाब देना चाहिए।

रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री ने आज नंदुरबार में अपने बारे में कई दावे किये। इससे कई सवाल उठते हैं, लेकिन मैं सिर्फ तीन सवाल पूछना चाहता हूं - हर कोई जानता है कि वास्तविक संख्या सामने आए बिना हाशिए पर रहने वाले समुदायों को उनके अधिकार नहीं मिल सकते। उन्होंने पूछा, पहला सवाल ये है कि 2021 में जनगणना क्यों नहीं हुई...? हर 10 साल के बाद जनगणना होती है। इस हिसाब से जनगणना 2021 में होनी चाहिए थी। आपने जनगणना में तीन साल की देरी क्यों की? आपने दलित और आदिवासी समुदायों को उनकी जनसंख्या के बारे में जानकारी लेने से क्यों रोका? उन्होंने कहा, दूसरा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री अद्यतन सामाजिक-आर्थिक गणना चाहते हैं या नहीं? आपने अभी तक इस विषय पर अपनी चुप्पी क्यों नहीं तोड़ी? कांग्रेस नेता ने पूछा, 2011 में मनमोहन सिंह सरकार ने सामाजिक-आर्थिक और जाति गणना करवाई। आपने अभी तक जाति पर जानकारी क्यों नहीं जारी की ? भारत की 2011 की जनगणना के लिए सामाजिक-आर्थिक और जाति गणना (एसईसीसी) आयोजित की गई थी। मनमोहन सिंह सरकार ने 2010 में संसद के दोनों सदनों में चर्चा के बाद सामाजिक-आर्थिक और जाति गणना 2011 को मंजूरी दी थी। यह भारत की 1931 की जनगणना के बाद पहली जाति-आधारित गणना थी। रमेश ने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा पर भी प्रधानमंत्री का विचार जानना चाहा।

मतदान प्रतिशत के आंकड़ों, आचार संहिता के कथित उल्लंघन को लेकर निर्वाचन आयोग से मिले 'इंडि' के नेता

नई दिल्ली/भाषा। मतदान प्रतिशत के आंकड़ों पर विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के बीच, विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के नेताओं ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की।

यह बैठक निर्वाचन आयोग द्वारा पहले दो चरणों में जारी किए गए मतदान आंकड़ों के साथ-साथ चल रहे लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन पर हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा जारी मतदान आंकड़ों में कथित विसंगतियों के मुद्दे पर विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं को पत्र लिखा था। इसके बाद विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर

निर्वाचन आयोग से संपर्क करने का फैसला किया। निर्वाचन आयोग ने हालांकि खरगे द्वारा साथी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' नेताओं को लिखे पत्र का जवाब दिया और उनके आरोपों को खारिज कर दिया कि उसने लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों के लिए अंतिम मतदाता संख्या जारी करने में देरी की थी। कड़े शब्दों में लिखे पत्र में निर्वाचन आयोग ने कहा कि एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के अध्यक्ष के बयान चुनावी कदमों और प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता पर हमला कर रहे हैं और मतदाताओं की भागीदारी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। कांग्रेस महासचिव ने कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा उठाई चिंताओं का बचाव करते हुए जवाब दिया। निर्वाचन आयोग के साथ बैठक से ठीक पहले रमेश ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा 'इंडिया' के घटक दलों को लिखे अपने पत्र में उठाए गए मुद्दों पर निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की प्रतिक्रिया वर्णन से परे है।

वीआईटीईईई: वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर/दक्षिण भारत। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (वीआईटीईईई) के नतीजे घोषित हो गए हैं।

बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 19 अप्रैल से 30 अप्रैल तक भारत के 125 शहरों और विदेश के छह शहरों (दुबई, कुवैत, मस्कट, कतर, कुआलालंपुर और सिंगापुर) में कंप्यूटर आधारित प्रोक्टर्ड परीक्षा के रूप में आयोजित की गई थी।

वीआईटीईईई-2024 में भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आवेदकों ने भाग लिया था। नतीजे यूजीरिजल्ट्स डॉट वीआईटी डॉट एसी डॉट इन / वीआईटीईईई पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा वीआईटी की वेबसाइट वीआईटी डॉट एसी डॉट

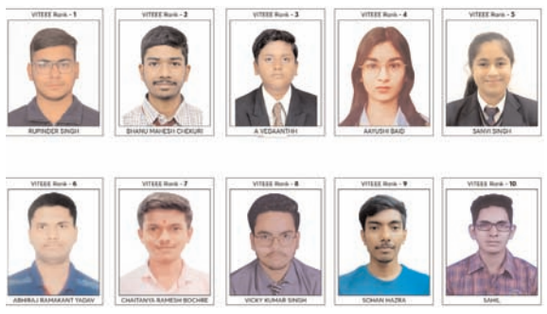

इन पर भी देख सकते हैं।

पहली रैंक हरियाणा के रूपिंदर सिंह ने प्राप्त की। राजस्थान के भानू महेश चेकुरी दूसरे स्थान पर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के ए वेदांत की तीसरी रैंक आई है। असम की आयुषी बैद को चौथी रैंक मिली है।

वहीं, उत्तर प्रदेश की सान्वी सिंह को पांचवीं, महाराष्ट्र के अभिराज रमाकांत यादव को छठी, उत्तराखंड के चैतन्य रमेश बोचरे को सातवीं, उत्तर प्रदेश के विक्की कुमार सिंह को आठवीं, हिमाचल प्रदेश के सोहन हाजरा को नौवीं और बिहार के साहिल को 10वीं रैंक मिली है। वीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, वीआईटी-वेल्लोर, वीआईटी-चेन्नई, वीआईटी-एपी और वीआईटी-भोपाल के बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक लाख रैंक के भीतर के आवेदक काउंसलिंग में भाग लेने के लिए पात्र हैं।

रैंक-वार काउंसलिंग इस तरह होगी : पहले चरण में रैंक 1-20000 के लिए 7 मई से 10 मई तक, दूसरे चरण में रैंक 20001-45000 के लिए 18 मई से 21 मई तक, तीसरे चरण में रैंक 45001-70000 के लिए 29 मई से 1 जून तक, चौथे चरण में रैंक 70001-100000 के लिए 9 जून से 12 जून तक।

एक लाख से ऊपर रैंक वाले अभ्यर्थी केवल वीआईटी-एपी और वीआईटी-भोपाल के बीटेक कार्यक्रमों में काउंसलिंग के लिए पात्र हैं। इन रैंकों के लिए 5वें चरण की काउंसलिंग 20 से 23 जून तक निर्धारित है।

वीआईटी आवंटन सुनिश्चित करने के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन काउंसलिंग के दौरान अधिकतम संख्या में विकल्प देने के लिए प्रोत्साहित करता है। कक्षाएं जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है।

शीर्ष वीआईटीईईई रैंक वाले अभ्यर्थियों को सभी 4 वर्षों के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। रैंक 1 से 10 तक के लिए ट्यूशन फीस में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। रैंक 11 से 50 तक को 75 प्रतिशत दी जाएगी। इसी तरह रैंक 51 से 100 तक 50 प्रतिशत दी जाएगी। रैंक 101 से 500 तक वालों की 25 प्रतिशत ट्यूशन फीस माफ की जाएगी। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले जिला टॉपर्स (एक लड़का और एक लड़की) को 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस माफी और छात्रावास से छूट दी जाएगी। इसी तरह सपोर्ट द एडवांसमेंट ऑफ रूरल स्टूडेंट्स योजना के तहत मेस फीस में छूट होगी।

विभिन्न 3-वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों, 4-वर्षीय बीएससी ऑनर्स (कृषि), बीआर्क, बीडीईएस (औद्योगिक डिजाइन) और 5-वर्षीय इंटिग्रेटेड कार्यक्रमों के लिए भी आवेदन खुले हैं। इनके बारे में अधिक जानकारी वीआईटी वेबसाइट पर ली जा सकती है।

तमिलनाडु बोर्ड 10वीं का रिजल्ट जारी, 91.55 प्रतिशत परीक्षार्थी पास

चेन्नई। तमिलनाडु के सरकारी परीक्षा निदेशालय ने शुक्रवार को 10वीं बोर्ड के परिणाम घोषित कर दिए। इस साल 91.55 प्रतिशत बच्चे पास हुए। छात्र अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। 10वीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षाएं 26 मार्च से 8 अप्रैल के बीच आयोजित की गई थीं। परीक्षा के आयोजन के लिए पूरे राज्य में 4,107 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा में कुल 9,10,024 परीक्षार्थी बैठे थे, जिसमें 4,57,525 लड़के और 4,52,498 लड़कियां शामिल थीं। एक ट्रांसजेंडर छात्र भी परीक्षा में शामिल हुआ था। राज्य की विभिन्न जेलों से कुल 235 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे।

कांग्रेस एवं वाईएसआर कांग्रेस सिर्फ लूट, झूठ और परिवार की कहानी : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूपति। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस एवं वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को लूट, झूठ एवं परिवार की कहानी बताते हुए आरोप लगाया है कि इनकी सरकारें तुष्टिकरण एवं भ्रष्टाचार के आधार पर ही चलती हैं। शर्मा गुरुवार को आंध्र प्रदेश के तिरूपति में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन्हें परिवार से आगे कुछ नहीं दिखाई देता है जबकि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता देते हुए देश के विकास को एक नई दिशा प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अपने घोषणा-पत्र में गढ़े गए झूठों के दम पर लोकसभा चुनाव जीतने का सपना कभी सच नहीं होगा। वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में भ्रष्टाचार एवं आतंकवादी घटनाओं का आए दिन सामना करना पड़ता था। मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक बार ही ऐसा दुस्साहस हुआ था लेकिन दुश्मनों को घर में घुस कर ऐसा मारा गया कि वो दोबारा हिम्मत नहीं कर पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार एवं तुष्टिकरण की जननी है और ये पार्टी परिवारवाद की प्रतीक है जबकि श्री मोदी ने 2014 के बाद राजनीति की परिभाषा को ही बदल दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की डबल इंजन की सरकार ने चार महीने ने संकल्प पत्र के 40 से 45 प्रतिशत वादों को पूरा करके दिखाया है। इस दौरान उन्होंने तिरूपति लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी वरप्रसाद राव वेलगपल्लि एवं विधानसभा चुनाव में तिरूपति से जनसेना के प्रत्याशी अरनी श्रीनिवासुलु के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की।

केजरीवाल की रिहाई से विपक्षी गठबंधन मजबूती हुआ : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत दिये जाने के फैसले का स्वागत किया और कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख की रिहाई न सिर्फ न्याय का प्रतीक है बल्कि इसे विपक्षी गठबंधन 'इंडि' भी मजबूत हुआ है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने 'एक्स' पर कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का मैं स्वागत करता हूं। अन्याय के खिलाफ यह जीत हमारे लोकतंत्र को मजबूत करती है। अरविंद केजरीवाल की रिहाई न सिर्फ न्याय का प्रतीक है बल्कि ये हमारे 'इंडि' गठबंधन को भी मजबूत करती है और चुनावों में हमारी जीत को गति देती है।''

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केजरीवाल को एक जून तक अंतरिम जमानत प्रदान की, जिसके कुछ घंटों बाद 'आप' नेता तिहाड़ से रिहा हो गये।

शतरंज की ट्रेनिंग भले ही सस्ती दिखे लेकिन यह खेल काफी महंगा है : प्रज्ञानानंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वारसॉ। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शुक्रवार को शतरंज के लिए मजबूत वित्तीय समर्थन की मांग करते हुए इस अवधारणा को खारिज किया कि इस खेल में ट्रेनिंग के लिए कम वित्तीय राशि की जरूरत होती है। प्रज्ञानानंदा ने हाल में पहली बार टोरंटो में फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और वह इस समय ग्रां शतरंज टूर के अंतर्गत रैपिड एवं ब्लिट्ज पोलैंड में खेल रहे हैं। इस 18 साल के खिलाड़ी ने कहा, शतरंज की ट्रेनिंग भले ही आसान और सस्ती दिखे लेकिन इसके लिए यात्रा करना और सामान इकट्ठा करना बहुत ही महंगा होता है। इसलिये मैं अडानी ग्रुप से सहयोग मिलने के लिए उनका आभारी हूं।

प्रज्ञानानंदा ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से ऊपर की ओर कदम बढ़ाये हैं और इस दौरान मैग्नस कार्लसन सहित कुछ शीर्ष

खिलाड़ियों को पराजित किया है। उन्होंने शतरंज के समर्थन के लिए कोरपोरेट जगत को आगे आने की जरूरत पर ध्यान दिलाते हुए कहा, शीर्ष स्तर के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेना काफी मुश्किल हो सकता है क्योंकि ये काफी मंहगे होते हैं। उन्होंने कहा, मेरे माता पिता को वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ा था लेकिन मेरा पहला प्रायोजक मिलने के बाद थोड़ी मदद मिली।

अडानी ग्रुप की एक विज्ञप्ति में प्रज्ञानानंदा ने कहा, यह मुश्किल था क्योंकि मेरी बहन भी खेल रही थी और उसे भी टूर्नामेंट के लिए यात्रा करनी पड़ती थी। इसलिये खेलों के लिए कोरपोरेट प्रायोजक काफी जरूरी हैं। उनकी बड़ी बहन आर वैशाली टोरंटो में फिडे महिला कैंडिडेट्स में संयुक्त उप विजेता रही थीं। चेन्नई के इस युवा खिलाड़ी ने यह भी कहा कि शतरंज के 14 राउंड खेलने के लिए खिलाड़ी को शारीरिक रूप से भी फिट होना चाहिए और वह अपनी फिटनेस के लिए बैडमिंटन और बीच वॉलीबॉल खेलते हैं।

उन्होंने कहा, कैंडिडेट्स की तैयारी के लिए मैं शारीरिक रूप से फिट होने के लिए कुछ खेल खेल रहा था। मैं शिविर के दौरान व्यायाम कर रहा था। हमें शतरंज की ट्रेनिंग के इतर शारीरिक ट्रेनिंग के लिए भी कुछ निश्चित समय दिया जाता है। हाल में मैंने बीच वॉलीबॉल खेलना शुरू किया। प्रज्ञानानंदा ने कहा, आपको लंबे टूर्नामेंट के लिए तैयार होने की जरूरत होती है क्योंकि 14 मैच खेलना आसान नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान फोकस बनाये रखने पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 14 मैच खेलना बहुत थकाने वाला होता है। शारीरिक फिटनेस की बात तब सामने आती है जब आप पांच-छह घंटों तक एक ही बाजी खेलते रहते हो। अगर आप पूरे टूर्नामेंट में ऐसा करते हो तो निश्चित रूप से ध्यान लगाये रखना बहुत थकाऊ होता है। इसमें काफी ऊर्जा लगती है।

पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी विरुधुनगर जिले के शिवकाशी के सेंगामालापट्टी गांव में पटाखा इकाई विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। मृतकों में छह महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में घायल हुए और झुलसे हुए 13 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। विस्फोट गुरुवार दोपहर को हुआ जब लगभग एक सौ कर्मचारी निजी पटाखा इकाई में फैंसी पटाखे बनाने में लगे हुए थे। इस दुर्घटना में छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई, तीन अन्य की शिवकाशी सरकारी अस्पताल में मौत हो गई।

विस्फोट के बाद बचाव अभियान के बाद एक कर्मचारी के लापता होने की सूचना मिली थी। बाद में देर रात उसके जले हुए अवशेष मलबे से बरामद किए गए, जिससे मरने वालों की संख्या 10 हो गई। इस बीच पुलिस ने पटाखा इकाई के मालिक और दो अन्य के खिलाफ पांच मामले दर्ज किए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि, मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के.अन्नामलाई, टीएनसीसी प्रमुख के.सेल्वापेरुन्थागई, टीएमसी नेता जी.के.वासन, पीएमके नेताओं सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने पटाखा विस्फोट में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया।

भारत ने श्रीलंकाई तमिलों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

चेन्नई/कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के साथ विकास एवं आर्थिक सहयोग विस्तारित कर इसके उत्तरी और पूर्वी हिस्से में रहने वाले तमिल समुदाय के लोगों के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने बृहस्पतिवार को तमिल राष्ट्रीय गठबंधन (टीएनए) की मुख्य पार्टी इलंकाई तमिल अरासु कात्ची (आईटीएके) के नेता एस श्रीथरन से मुलाकात की। भारतीय प्रतिष्ठान के साथ आईटीएके के नये नेता की यह पहली मुलाकात है। भारतीय उच्चायोग के एक बयान के अनुसार,उच्चायोग ने क्षेत्र के लोगों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई। बृहस्पतिवार को, श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने घोषणा की थी कि वह 17 सितंबर और 16 अक्टूबर के बीच राष्ट्रपति चुनाव कराएगा।

सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ तीसरी प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। जद (एस) सांसद और हासन से लोकसभा चुनाव में राजग उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार का एक और मामला दर्ज किया गया है, जिससे कई महिलाओं के कथित यौन शोषण से संबंधित मामलों की संख्या तीन हो गई है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। विशेष जांच दल (एसआईटी) के सूत्रों के अनुसार, प्रज्ज्वल के खिलाफ आठ मई को बेंगलूरु में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्रज्ज्वल द्वारा कथित तौर पर कई महिलाओं के यौन शोषण से संबंधित कई आपत्तिजनक वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। आईपीसी की धारा 376(2)(एन), 376(2)(के), 354(ए), 354(बी), 354(सी) और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। ये मामले बार-बार बलात्कार, ताक-झांक, फिल्मांकन, यौन संबंधों की मांग, कपड़े खींचने, छेड़छाड़ और धमकी देने से संबंधित हैं।

पुष्पांजलि

शुक्रवार को विश्व बसव जयंती के मौके पर बेंगलूरु में विधान सौधा परिसर में स्थापित बसवन्ना के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होर्राट्टी, मंत्री ईश्वर खांड्रे, विधायक विनय कुलकर्णी और सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश मौजूद रहीं।

एसआईटी पर भरोसा रखें, यौन शोषण मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की जरूरत नहीं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को जद (एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण मामले की जांच कर रहे प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पर भरोसा जताया और कहा कि जांच को सीबीआई को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि भाजपा (जब राज्य में सत्ता में थी) ने कभी एक भी मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नहीं सौंपा था और एक समय था जब संगठन सीबीआई को 'भ्रष्टाचार जांच ब्यूरो' के रूप में संदर्भित करता था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) सुप्रीमो एच.डी. देवेगौड़ा सीबीआई को 'चोर बचाओ संस्थान' कहते थे और अब उन्हें सीबीआई से प्यार है?

पूर्व मुख्यमंत्री और जद(एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने की मांग पर सिद्दरामैया ने कहा, मामले को सीबीआई को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे पुलिस (एसआईटी) पर पूरा भरोसा है। वह कानून के मुताबिक जांच करेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में पिछले कांग्रेस शासन के दौरान सीबीआई को भेजे गए कुछ मामलों का हवाला दिया और पूछा: लेकिन क्या इन मामलों में किसी को सजा हुई?

उन्होंने कहा, हमारी सरकार कानूनी कार्यवाही और जांच में हस्तक्षेप नहीं करती है। वे (एसआईटी)

सही तरीके से जांच कर रहे हैं। न तो अभी, न ही पहले, मैंने किसी पुलिस अधिकारी को कानून से परे या उसके विरुद्ध कुछ करने का निर्देश दिया है। हालांकि, सीबीआई जांच की कोई जरूरत नहीं है। हमारी पुलिस पर भरोसा करना चाहिए। सिद्दरामैया ने कहा कि कानून के मुताबिक एसआईटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा, मुझे अपने पुलिस अधिकारियों पर भरोसा है। वे सच्चाई का पता लगा लेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि न तो वह और न ही उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मामले की जांच में शामिल हैं। अपहरण मामले में जद (एस) विधायक एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी में राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने पूछा, अगर उन पर लगे आरोप में कोई सच्चाई नहीं है तो उन्होंने अग्रिम जमानत क्यों मांगी? अदालत ने जमानत अर्जी क्यों खारिज कर दी?

दपरे में जनरल टिकटों के लिए काउंटर पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के हुब्बली मंडल ने एसएसएस हुब्बली और धारवाड़ रेलवे स्टेशन पर काउंटरों पर अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए क्यूआर कोड के जरिए भुगतान की सुविधा शुरू की है।

इसके तहत हर टिकट खिड़की के बाहर सामान्य बुकिंग काउंटरों पर किराया रिपीटर्स उपलब्ध कराए गए हैं।

ये टिकट जारी करने वाले क्लर्क द्वारा दर्ज किए गए विवरण को प्रदर्शित करते हैं, जैसे- किस स्टेशन से, किस स्टेशन तक, क्लास, वयस्कों/बच्चों की संख्या, किराया आदि। इसके अलावा, किराए की गणना के बाद उत्पन्न होने वाला क्यूआर कोड किराया रिपीटर्स में प्रदर्शित किया जाएगा और भुगतान करने के लिए यात्री इसे अपने यूपीआई मोबाइल ऐप के माध्यम से स्कैन कर सकते हैं।

डिजिटल भुगतान की प्राप्ति की पुष्टि के बाद टिकट तैयार किया जाएगा और यात्री को जारी किया जाएगा। यह पहल नकदी रहित लेनदेन को बढ़ावा देगी। साथ ही नकदी ले जाने की जरूरत को खत्म कर देगी, जिससे बड़ा बदलाव आएगा।

टिकट काउंटरों पर सामान्य टिकटों की खरीद के लिए क्यूआर कोड भुगतान सुविधा का हुब्बल्ली मंडल के अधिक स्टेशनों तक विस्तार किया जाएगा।

'बोलते रंग' चित्रकला प्रदर्शनी का जवाहर कला केंद्र में हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि पूर्व आईएएस श्रीमती शुचि शर्मा द्वारा आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी बोलते रंग में प्रदर्शित चित्रों में जिस प्रकार मानवीय भावनाओं को रंगों के माध्यम से दर्शाया गया है वह सच में अभिभूत करने जैसा है। उन्होंने कहा कि श्रीमती शुचि शर्मा गत वर्षों से चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है एवं प्रत्येक प्रदर्शनी में इनके चित्रों में निखार के साथ परिपक्वता एवं पूर्णता दिखती है।

प्रमुख शासन सचिव शुक्रवार को यहाँ जवाहर कला केंद्र में पूर्व आईएएस श्रीमती शुचि शर्मा द्वारा आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत बोलते रंग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं वहां प्रदर्शित 102 चित्रों का गहनता से अवलोकन कर श्रीमती शुचि शर्मा से चित्रों एवं चित्रकला की बारीकियों पर भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतिभा को दर्शाने की कोई उम्र नहीं होती और उसे किसी भी वक़्त पर दर्शाया जा सकता है। इस अवसर पर वहां मौजूद स्कूली बच्चों से भी उन्होंने वार्तालाप कर चित्रकला पर चर्चा की।

प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि उभरती प्रतिभाओं के लिए जवाहर कला केंद्र कला के प्रदर्शन के लिए एक बहेतरीन प्लेटफॉर्म बन चुका है, फिर युवा हो या अन्य उम्र के कलाकार सभी के लिए यहाँ बेहतरीन अवसर है। इस मौके पर पूर्व आईएएस श्रीमती शुचि शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक सेवा के साथ उन्होंने अपने शौक को बनाये रखा। उन्हें हमेशा मानवीय संवेदनाओं के चित्र आकर्षित करते है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में कुल 102 चित्रों को पानी के रंगों से बनाया गया है साथ ही ऐसी मानवीय भावनाओं को रंग देने की कोशिश की गयी है जो कि वर्तमान परिस्थिति को दर्शाते है। उन्होंने कहा कि पानी के रंगों की सहायता से चित्रों को अर्थपूर्ण बनाने का प्रयास किया गया है।इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों सहित स्कूली बच्चे एवं अन्य दर्शक मौजूद रहे।

तकनीकी कार्य के कारण रेल यातायात रहेगा प्रभावित

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मण्डल पर रोहतक–भिवानी रेलखण्ड के मध्य तकनीकी कार्य के लिए रेल यातायात रोके जाने के कारण कई रेलगाड़ियां एक महीने तक प्रभावित रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार इस कारण उत्तर पश्चिम रेलवे की गाडी संख्या 04975 रोहतक–भिवानी स्पेशल रेलसेवा एवं गाड़ी संख्या 04974 भिवानी–रोहतक स्पेशल रेलसेवा 15 मई से 14 जून तक रद्द रहेगी।

इसी तरह गाडी संख्या 04969 दिल्ली–भिवानी स्पेशल रेलसेवा 15 मई से 14 जून तक दिल्ली से प्रस्थान करेगी भिवानी सिटी स्टेशन तक संचालित होगी और यह रेलसेवा भिवानी सिटी–भिवानी के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। इसी तरह गाडी संख्या 04962 भिवानी–रोहतक स्पेशल रेलसेवा 15 मई से 14 जून तक भिवानी के स्थान पर भिवानी सिटी स्टेशन से संचालित होगी और यह रेलसेवा भिवानी–भिवानी सिटी के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा उत्तर रेलवे के अम्बाला मण्डल के शंभू स्टेशन पर किसान आंदोलन के कारण भी रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उन्होंने बताया कि इस कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित गाडी संख्या 04487 रोहतक–हांसी रेलसेवा 11 से 17 मई तक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 04488 हांसी–रोहतक रेलसेवा 12 से 18 मई तक रद्द रहेगी।

तांत्रिक ने लड़की को गर्म सलाखों से दागा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। बीकानेर में नोखा के कक्कू से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां अंधविश्वास के चलते एक लड़की के साथ बर्बरता की गई।

लड़की के शरीर में गरम सलाखों से दाग कर इलाज कराने का मामला सामने आया है। तांत्रिक द्वारा प्रेतबाधा दूर करने के लिए लड़की का जिस्म गर्म सलाखों से दाग दिया। पांचू पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को दिए बयानों में बताया है कि उसकी तबीयत कुछ दिनों से ठीक नहीं थी।

मंगलवार रात 11 बजे उसे परिजन गांव के नखत बना मंदिर में मंदिर पुजारी और तांत्रिक देवी सिंह चौहान के पास ले गए। तांत्रिक ने देखते ही कहा कि बच्ची पर प्रेत का साया है। तांत्रिक ने कमरे से सभी लोगों और उसके परिजनों को बाहर निकाल दिया। उसके बाद उसने अपने हाथों से उसका मुंह दबाया। लोहे के गर्म सरिए से शरीर के कई हिस्से दाग दिए।

तांत्रिक ने उसके गालों पर थप्पड़ मारे और पिटाई की। सरिए से उसके हाथ–पैर दाग दिए। लड़की को बुरी तरह जली हुई अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उसका इलाज जारी है। पीड़िता के पिता रामगोपाल शर्मा ने तांत्रिक देवी सिंह, उसके सहयोगी के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया है। लड़की के पिता की ओर से तांत्रिक के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया गया है।

पूजा अर्चना

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आंध्र प्रदेश प्रवास के दौरान तिरुमला की पवित्र पहाड़ियों पर स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में सपरिवार पूजा–अर्चना की। भजनलाल शर्मा ने एक्स पर लिखा सपरिवार पावन दर्शन पूजन करने का सौभाग्य मिला।

आबकारी विभाग का जमादार सात हजार रु रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान में भष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने परिवादी से सात हजार रुपये की रिश्वत लेते आबकारी विभाग के जमादार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि बूंदी इकाई को परिवादी ने शिकायत दी थी कि अवैध शराब की बिक्री के मामले में जब्त बाइक छोड़ने और मामला न बनाने की एवज में आबकारी थाने के प्रमोद सिंह और धारासिंह जाट जमादार 20 हजार रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है।

इस पर ब्यूरो टीम ने शिकायत का सत्यापन किया। इसके बाद बूंदी के डीएसपी ज्ञानचंद मीणा ने टीम के साथ ट्रैप की कार्रवाई करते हुये बारां आबकारी विभाग के जमादार धारा सिंह जाट को गुरुवार रात सात हजार कि रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 10000 रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे।

केजरीवाल को जमानत देने का उच्चतम न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले को स्वागत योग्य बताया है। गहलोत ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि केजरीवाल को जमानत देने का उच्चतम न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूर्व में गिरफ्तार किए गए संजय राउत, संजय सिंह समेत तमाम राजनीतिक लोगों के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिल सके और उनका काफी समय जेल में व्यर्थ हुआ। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान उच्चतम न्यायालय का फैसला चुनाव में लेवल प्लेयिंग फील्ड देने वाला है। उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी उच्चतम न्यायालय में जाकर अपना पक्ष रखना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी उच्चतम न्यायालय से केजरीवाल को मिली राहत का स्वागत किया हैं।

बीकानेर निवासी मोहम्मद बंधु पद्म से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में गुरुवार को आयोजित भव्य पद्मसम्मान समारोह में राजस्थान के बीकानेर निवासी मांड लोक गायक बंधुओं की जोड़ी अली मोहम्मद और गनी मोहम्मद को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने पद्मसम्मान से सम्मानित किया।

मोहम्मद बंधुओं द्वारा इस मांड़ कला का प्रदर्शन दुनिया भर में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ फिल्म उद्योग में भी काफी सजीविता के साथ किया है। मांड गायकी में मोहम्मद बंधुओं के लिए पद्मसम्मान इस लोक कला को दुनिया भर में विशेष स्थान दिलाने के साथ–साथ राजस्थान के लिए भी गौरव की बात है।

बीकानेर के छोटे से गांव तेजरासर में जन्में मोहम्मद बंधुओं ने मांड गायकी की संगीत कला को राजस्थान से निकालकर फिल्मी संगीत और विदेशी मंचों तक पहुंचाने का बेहतरीन काम किया है। विरासत में मिली संगीत की बुनियादी तालीम हासिल करने वाले मोहम्मद बंधु शास्त्रीय संगीत में भी अपना महत्वपूर्ण दखल रखते हैं।

मुनि संघ को इक्षु रस का आहार देकर मनाया गया अक्षय तृतीया पारण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनकपूरी–ज्योतिनगर जैन मंदिर अक्षय तृतीया के पावन दिन जयपुर का एक मात्र स्थान रहा जहाँ मुनि संघ का भक्तों को पावन सानिध्य मिला। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला अनुसार अक्षय तृतीया को पारण व दान पर्व के साथ आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी का अवतरण दिवस व संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह भक्ति भाव के साथ मनाया गया।सुबह अभिषेक शांति धारा से समारोह शुरू हुआ जो मंगल आरती व उपस्थित जनों को इक्षु रस वितरण के साथ समाप्त हुआ। इस बीच भक्ति व संगीत के साथ पूजन पाद प्रक्षालन शास्त्र भेंट आशीर्वचन पिच्छिका परिवर्तन व अतिथि सम्मान आदि हुआ। इधर भक्त जनों ने संघ का पड़गाहन कर को इक्षु रस का आहार दिया।

आचार्य ने अक्षय तृतीया के बारे में समझाते हुए कहा की भगवान आदिनाथ ने सबसे पहले समाज में दान के महत्व को समझाया था और दान की शुरुआत की थी। भगवान आदिनाथ राज–पाठ का त्याग करके वन में तपस्या करने निकल गए थे उन्होंने वहां 6 महीने तक लगातार ध्यान किया था 6 महीने बाद जब उन्होंने सोचा कि इस समाज को दान के बारे में समझाना चाहिए तो वे ध्यान से उठकर आहार मुद्रा धारण करके नगर की ओर निकल पड़े थे।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया के दिन लोग आहार दान ज्ञान दान औषाधि दान या फिर मंदिरों में दान करते हैं जैन धर्म की मान्यता है कि भगवान आदिनाथ ने इस दुनिया को असि–मसि–कृषि वाणिज्य व शिल्प के बारे में बताया था इसे आसान भाषा में समझें तो असि यानि तलवार चलाना मसि यानि स्याही से लिखना कृषि यानी खेती करना होता है भगवान आदिनाथ ने ही लोगों को इन विद्याओं के बारे में समझाया और लोगों को जीवन यापन के लिए इन्हें सीखने का उपदेश दिया था आचार्य श्री ने अंत में कहा कि वास्तव में तो मेरा अवतरण दिगंबर मुद्रा धारण करने के दिन हुआ है। इसके साथ ही आचार्य श्री ने सभी को आशीर्वाद प्रदान किया।

अक्षय कुमार ने न्यायालय में वाद खारिज करने का प्रार्थना पत्र पेश किया

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित मुंसिफ उत्तर न्यायालय में निर्माणाधीन फिल्म जॉली एल.एल.बी.– 3 प्रकरण में शुक्रवार को सुनवाई हुई। फिल्म के अभिनेता अक्षय कुमार,अरशद वारसी, निर्माता सुभाष कपूर के एडवोकेट ने न्यायालय में वाद खारिज करने का प्रार्थना पत्र पेश किया। इससे पहले वादी अजमेर बार एसोसियेशन के एडवोकेट ने रेलवे के वकील के प्रार्थना पत्र का जवाब पेश किया। अजमेर रेल मंडल की ओर से उनके वकील ने पिछली तारीख पेशी पर नोटिस का जवाब पेश कर दिया था।

मुंसिफ उत्तर के न्यायाधीश यश विश्नोई ने प्रार्थना पत्रों की सुनवाई आगामी 18 मई को किया जाना तय किया है। उल्लेखनीय है कि अजमेर में फिल्मांकन के दौरान न्यायालय और वकीलों की छवि धूमिल की बात कहते फिल्म रोक लगाने की मांग की गयी है।

राजस्थान में डबल इंजन सरकार भ्रष्टाचार की नई गली निकालने की तैयारी में : डोटासरा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार विश्वविद्यालयों में आरएसएस और अपने चेहतों की नियुक्ति से भ्रष्टाचार की नई गली निकालने की तैयारी में हैं। डोटासरा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि यूपीएससी में लैटरल एंट्री के जरिए बिना परीक्षा के आरएसएस के लोगों को केन्द्र में बड़े–बड़े पदों पर बैठाने के बाद भाजपा की डबल इंजन सरकार विश्वविद्यालयों में आरएसएस और अपने चेहतों की नियुक्ति से भ्रष्टाचार की नई गली निकालने की तैयारी में हैं। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रार और वित्त नियंत्रक के पदों पर पूर्व की भांति राज्य सरकार द्वारा ही नियुक्ति की जानी चाहिए। राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में मनमानी पर लगाम, विधि के अनुरुप संचालन एवं अहम निर्णयों में राज्य सरकार का हस्तक्षेप आवश्यक है।

शौक पूरे करने के लिए दोस्तों संग लूटने वाली महिला समेत तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अशोक नगर थाना पुलिस ने डीयर पार्क के सामने स्थित केसी भवन की पहली मंजिल पर ऑफिस में लूट करने में शामिल महिला, उसके दोस्त और एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस मामले में मुख्य वारदात करने वाला आरोपी भरत सिंह अभी अपने साथी के साथ फरार हैं। पुलिस इनकी तलाश कर रही है। गिरफ्तार मुकेश गुप्ता (25) सेन्ट्रल कॉलोनी मुरलीपुरा, शिप्रा गुप्ता (36) दादी का फाटक मुरलीपुरा और मनजीत सिंह राठौड़ (25) डीडवाना कुचामन हाल हरमाड़ा का रहने वाला है। इन सभी से लूट की राशि और वारदात में प्रयुक्त हथियार व वाहनों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि 24 अप्रैल को परिवादी नरेन्द्र चौधरी ने रिपोर्ट दी कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने करीब पौने पांच बजे मेरे ऑफिस फ्लैट नम्बर एफ – 5 युधिष्ठिर मार्ग सी–स्कीम जयपुर में घुसकर ऑफिस में काम करने वाली महिलाओं को हथियार दिखाकर, आलमारी में रखे 15 लाख रुपए लूटकर ले गए। इस रिपोर्ट पर टीम ने जांच शुरू की। टीम ने मुखबिर से सम्पर्क किया। घटनास्थल के आस–पास करीब 20 से 25 किलोमीटर की दूरी तक दिन–रात सीसीटीवी जुटाए।डीसीपी आनंद ने बताया कि परिवादी के ऑफिस में काम करने वाली महिला शिप्रा गुप्ता तलाकशुदा है, जो बहुत ही सामान्य परिवार से है और हाल में पैसों वालों की तरह शौक रखती है। ये ऐशोआराम की जिंदगी जीने के लिए अपने दोस्त मुकेश गुप्ता के साथ साजिश करके मनजीत सिंह के मार्फत भरत सिंह से सम्पर्क किया। इसके बाद लूट की साजिश रची।

आरएसजीएल ने 25 हजार से अधिक नागरिकों को ग्रीन एनजी-क्लीन एनर्जी सुविधा से जोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक श्री रणवीर सिंह ने बताया है कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 25 हजार से अधिक नागरिकों तक ग्रीन एनर्जी –क्लीन एनर्जी सुविधा से जोड़ दिया है। जयपुर के कूकस व नीमराना में सीएनजी व कोटा में सीएनजी व पीएनजी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 5064 परिवारों को डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस डीपीएनजी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि कोटावासियों को रोडमेप बनाते हुए डीपीएनजी–सीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। आरएसजीएल द्वारा 10 सीएनजी स्टेशनों का संचालन करते हुए वाहनों को ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराई जा रही है वहीं 60 व्यावसायिक कनेक्शन और 13 औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नेचुरल गैस उपलब्ध कराई जा रही है। एमडी सिंह ने कोटावासियों से आग्रह किया है कि वे डीपीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिए संपर्क करें।

वोट बैंक के लिए होता रहा महाराजा सुहेलदेव का अपमान : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आजादी के बाद से महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान होता रहा। मुख्यमंत्री योगी यहां महसी के रामपुरवा बाग में बहराइच (आरक्षित) लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी डॉ. आनन्द कुमार गोंड के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सालार मसूद गाजी को मौत के घाट उतारकर बहराइच में उसकी कब्र बनवाने वाले महापराक्रमी महाराजा सुहेलदेव को केवल वोट बैंक के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा ने सम्मान नहीं दिया, क्योंकि उन्हें डर था कि ऐसा करने पर सालार मसूद गाजी का भक्त वोट बैंक खिसक न जाए।

मुख्यमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव के पराक्रम की भूमि और स्वाधीनता सेनानी राजा बलभद्र सिंह की पावन भूमि को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित जनसमूह को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि आज के दिन त्रेता युग और सतयुग की शुरुआत हुई थी। योगी ने कहा कि पिछली बार विधानसभा चुनाव में आया था तब आपने आशीर्वाद दिया और सुरेश्वर सिंह महसी से विधायक बने और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश सरकार ने अयोध्या में न केवल रामलला का भव्य मंदिर बनवाया, बल्कि अराजकता फैलाने वाले माफिया तत्वों का राम नाम सत्य करने का काम भी किया।

योगी ने कहा, ''कांग्रेस और सपा अयोध्या में राम मंदिर को बेकार बताते हैं, मगर बेकार ये लोग खुद हैं जो इस धरती पर बोझ बने हुए हैं।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि ''जो सरकार आपकी भावनाओं का सम्मान करती हो, आपके हितों का संरक्षण करती हो, विकास के कार्यों के साथ जोड़ती हो, उसे बार-बार चुनना चाहिए। इससे वर्तमान तो सुधरता ही है, भविष्य के लिए भी नये-नये अवसर पैदा होते हैं।'' उन्होंने भाजपा सरकार के विकास कार्यों का भी सिलसिलेवार ब्योरा दिया।

संदेशखालि में महिलाओं पर धर्म के आधार पर अत्याचार हुआ तो ममता चुप रहीं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माजदिया (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर संदेशखालि के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा किसी भी दोषी को नहीं बख्शेगी। संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का आरोप हैं।

नदिया जिले में राणाघाट लोकसभा क्षेत्र के माजदिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि बनर्जी नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 (सीएए) को लेकर लोगों को 'गुमराह' कर रही हैं। उन्होंने राज्य में कथित भ्रष्टाचार के मामलों पर तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा महिलाओं का यौन उत्पीड़न किए जाने के आरोपों पर शाह ने कहा कि यह शर्म की बात है कि ''ममता बनर्जी ने एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद दोषियों को बचाने की कोशिश की''। उन्होंने कहा, संदेशखालि में तृणमूल नेताओं ने धर्म के आधार पर हमारी सैकड़ों बहनों पर अत्याचार किया। ममता दीदी संदेशखालि के अपराधियों को गिरफ्तार करने को तैयार नहीं थीं। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी जांच नहीं हुई तो उच्च न्यायालय ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी।'' शाह ने यह भी कहा, ''जिसने भी संदेशखालि में

अत्याचार किया है, चाहे वह कहीं भी छिपा हो, हम उसे ढूंढ़ेंगे और जेल में डालेंगे। भाजपा इन दोषियों को सजा देगी।

उनकी टिप्पणी संदेशखालि की महिलाओं के कई कथित वीडियो तृणमूल कांग्रेस द्वारा साझा किए जाने के एक दिन बाद आई जिनमें दावा किया गया है कि भाजपा के एक स्थानीय नेता ने उन महिलाओं से कोरे कागजात पर हस्ताक्षर कराए और बाद में इन्हें यौन उत्पीड़न की शिकायतों के रूप में भर दिया गया।

शाह ने सीएए का विरोध करने और ''घुसपैठियों के समर्थन में रैलियां निकालने'' पर बनर्जी की आलोचना की। राणाघाट लोकसभा क्षेत्र में मतुआ समुदाय की आबादी अच्छी-खासी है। शाह ने कहा, ''भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों को जेल भेजा जाएगा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।''

अय्यर, पित्रोदा और राउत 'जोकर' हैं, कोई उन्हें गंभीरता से नहीं लेता : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर, सैम पित्रोदा और शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत जोकर हैं, जिन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता। चौहान ने कहा कि वे (चुनावों में) हार के डर से हास्यास्पद बयान देते रहते हैं और लोग इन टिप्पणियों को मनोरंजन मानते हैं।

चौहान ने तीन नेताओं द्वारा दिए गए विवादास्पद बयानों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए यहां समाचार एजेंसियों से कहा, वे अपना होश खो चुके हैं और निचले स्तर पर गिरकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बयान दे रहे हैं। वे हंसी के पात्र बन गए हैं, राजनीति के जोकर बन गए हैं। कोई भी अय्यर, पित्रोदा और राउत को गंभीरता से नहीं लेता है। उन्होंने कहा, हार के डर से वे बेतुके बयान दे रहे हैं। लोग इसे केवल मनोरंजन के तौर पर देखते हैं। चौहान ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेता बौद्धिक रूप से दिवालिया हो चुके हैं और अय्यर को ध्यान देना चाहिए कि यह पहले की कमजोर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)सरकार नहीं है, बल्कि 56 इंच के सीने वाले प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार है।

मोदी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया है कि वह विकास के पक्ष में है और किसी को परेशान नहीं करेगा, लेकिन देश के लिए परेशानी पैदा करने वाले किसी को भी नहीं बख्शेगा।

झारखंड़ की जनता को लूट रही झामुमो और कांग्रेस : छत्तीसगढ़ सीएम साय

सिंहभूम (झारखंड)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार राज्य की जनता को लूट रही है। साथ ही उन्होंने झारखंड के मतदाताओं से लोकसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की।

साय ने सिंहभूम में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार के भीतर भ्रष्टाचार ही झारखंड के विकास में ठहराव का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा, '' झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है और राज्य की जनता को लूट रही है। भले ही झारखंड और छत्तीसगढ़ खनिज संपन्न राज्य हों लेकिन छत्तीसगढ़ ने ज्यादा प्रगति की है जबकि झारझंड अभी भ्रष्टाचार और लूट के कारण पिछड़ा हुआ है।''

जब भारत में चुनाव हो रहे तो हम पाकिस्तान की बात क्यों कर रहे हैं: प्रियंका गांधी का भाजपा पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मणिशंकर अय्यर के बयानों को लेकर उठे विवाद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि जब भारत में चुनाव हो रहे हैं और बेरोजगारी की दर 45 वर्ष में सबसे ज्यादा है तो पाकिस्तान की चर्चा क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को वास्तविक मुद्दों और काम के आधार पर चुनाव लड़ने चाहिए।

प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए विशेष साक्षात्कार में भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए हिंदू-मुस्लिम के मुद्दे को उठाने का आरोप लगाया और कहा कि लोग नहीं चाहते कि चुनाव धर्म और जाति के नाम पर लड़े जाएं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''लोग कह रहे हैं कि आपने (भाजपा ने) दो चुनाव धर्म के आधार पर जीते हैं और अब उससे आगे बढ़िए।'' कांग्रेस नेता अय्यर के बयान को लेकर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका

ने कहा कि इस मुद्दे पर इस समय बात क्यों हो रही है जबकि बयान पुराना है। उन्होंने अमेठी में पार्टी के उम्मीदवार किशोरीलाल शर्मा के लिए चुनाव प्रचार के दौरान बातचीत में कहा, ''मैं पूछती हूं कि बयान कब दिया गया था। अगर यह एक पुराना बयान है तो हम आज इस पर चर्चा क्यों कर रहे हैं? दूसरी बात, मैं पूछना चाहती हूं कि चुनाव कहां हो रहे हैं, भारत में या पाकिस्तान में? चुनाव भारत में हो रहे हैं तो हम पाकिस्तान की चर्चा क्यों कर रहे हैं?'' प्रियंका ने पूछा कि भारत में बढ़ती बेरोजगारी पर चर्चा क्यों नहीं हो रही जो पिछले 45 वर्ष में सर्वाधिक है और महंगाई पर बात क्यों नहीं हो रही जिसके कारण लोग बाजार जाते हैं और जो खरीदना चाहते हैं, उससे आधा सामान खरीदकर लौट आते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर लोगों को आज इलाज कराना है तो उन्हें चिंता होती है। इस बारे में बात क्यों नहीं हो रही? किसान परेशान हैं, उनकी कमाई नहीं हो रही, डीजल से लेकर खेती का सामान सबकुछ महंगा हो गया है। इस पर बात क्यों नहीं हो रही? श्रमिकों का शोषण क्यों हो रहा है और उन्हें पर्याप्त वेतन क्यों नहीं मिलता?''

संदेशखालि की महिलाओं को चुनाव के कारण शिकायतें वापस लेने के लिए मजबूर किया जा रहा : एनसीडब्ल्यू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने दावा किया है कि मौजूदा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल के संदेशखालि की महिलाओं को तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी शिकायतें वापस लेने के लिए ''मजबूर'' किया जा रहा है और इस मामले में निर्वाचन आयोग से जांच की मांग की गई है। तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को संदेशखालि की महिलाओं के कई कथित वीडियो साझा किये थे जिनमें दावा किया गया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर हस्ताक्षर कराये और बाद में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ बलात्कार एवं यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने में उसका इस्तेमाल किया गया। उन कथित वीडियो में महिलाओं ने दावा किया कि उन्हें भाजपा कार्यकर्ता पियाली दास ने स्थानीय पुलिस थाने में व्यक्तिगत रूप से पेश होने और एनसीडब्ल्यू की टीम के समक्ष अपनी आपबीती बताने को कहा था। एनसीडब्ल्यू की टीम जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए संदेशखालि गई थी।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे नेपाल जाने की कोशिश में ईरानी नागरिक गिरफ्तार

महराजगंज (उप्र)/भाषा। महराजगंज जिले में नेपाल सीमा पर एक ईरानी नागरिक को फर्जी पासपोर्ट और वीजा दस्तावेजों पर नेपाल जाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ आव्रजन अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सोनौली चेक पोस्ट के आव्रजन अधिकारी उमेश कुमार ने बताया कि ईरानी मूल के यागौब वरदान (39) को भारत से नेपाल जाते समय बृहस्पतिवार की रात आव्रजन विभाग ने सोनौली क्षेत्र में गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उनके वीजा कागजात और पासपोर्ट नकली पाए गए थे। विदेशी नागरिक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और विदेशी अधिनियम की धारा 14 के तहत मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय खुफिया इकाई के एक अधिकारी ने बताया कि ''खुफिया ब्यूरो को मामले को लेकर सूचित कर दिया गया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।'' महराजगंज जिले में सोनौली भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है और भारत और नेपाल के बीच एक सामान्य पारगमन बिंदु है।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के बाद चिंतित हैं प्रधानमंत्री : कांग्रेस अध्यक्ष

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा चुनाव के तीन चरणों के चुनाव संपन्न हो जाने के बाद चिंतित हैं और इसीलिए वे गैर-चुनावी मुद्दों पर बात कर रहे हैं तथा कांग्रेस को गालियां दे रहे हैं।

खरगे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा नेता विकास पर वोट मांगने के बजाय उनके (कांग्रेस) नेताओं के भाषणों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और राहुल गांधी को 'शहजादा' कहते घूम रहे हैं। खरगे ने कहा, ''तीन चरण के मतदान के बाद मोदी और शाह चिंतित हो गए हैं। उन्होंने अपने घोषणापत्र के बारे में बात करना बंद कर दिया है और केवल कांग्रेस को गाली दे रहे हैं।'' प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि कांग्रेस ने चुनाव की घोषणा के बाद 'अडानी-अंबानी' के बारे में बात करना बंद कर दिया है, खरगे ने कहा, ''(अगर) पैसा टेम्पो में जा रहा है, तो आप बस देख रहे हैं । पैसा किसके घर से जा रहा है, आपकी सीबीआई कहां है, आपका आयकर विभाग कहां है।''

उन्होंने कहा, ''यदि आप जानते हैं, तो क्या आप सो रहे हैं। अडानी-अंबानी, जहां पैसा जा रहा है, उनका घर जब्त करो। ईडी, आईटी का प्रयोग करें। ऐसे बचकाने तरीके से बोलना किसी प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता।'' खरगे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को 'एम' अक्षर से शुरू होने वाले शब्दों- मंगलसूत्र, मटन और मुगलों से बहुत प्यार है।

मोदी फिर से प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे, उप्र में 'इंडिया गठबंधन' का तूफान आ रहा है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नौज (उप्र)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि नरेन्द्र मोदी फिर से देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे और लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सबसे बड़ी हार होगी।

उन्होंने यहां चुनावी रैली में यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया)' का उत्तर प्रदेश में तूफान आ रहा है। उन्होंने सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''यह लिखित में ले लें कि नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे।''

गांधी और यादव के अलावा आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने भी 'इंडिया' की इस संयुक्त रैली को संबोधित किया। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीट में से 17 पर लड़ रही है। पिछली बार भाजपा ने 62 सीट जीती थी और उसकी सहयोगी अपना दल (एस) ने दो सीट जीती थी। कांग्रेस और उद्योगपतियों अडाणी एवं अंबानी के बीच साठगांठ के मोदी के आरोप पर राहुल गांधी ने पलटवार करते हुए कहा,''आपने देखा होगा कि 10 साल में नरेन्द्र मोदी जी ने अडाणी और अंबानी का नाम नहीं लिया...10 साल में उन्होंने हजारों भाषण दिए, लेकिन अडाणी-अंबानी का नाम तक नहीं लिया। मगर, जब कोई डर जाता है, तो वह उन लोगों का नाम लेता है, जिनके बारे में वह सोचता है कि वे उसे बचा पायेंगे...इसीलिए मोदी जी ने अपने दो मित्रों का नाम ले लिया ।''

उन्होंने प्रधानमंत्री का मजाक उड़ाते हुए कहा, '' वह कह रहे हैं कि मुझे बचाओ, इंडिया गठबंधन ने मुझे घेर लिया है, मैं हार रहा हूं। मोदी जी कह रहे हैं कि अडाणी-अंबानी जी मुझे बचाइए। ''

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का मामला: अदालत ने बृजभूषण पर आरोप तय करने का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने छह महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शुक्रवार को आरोप तय करने का आदेश दिया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत ने छह महिला पहलवानों में से एक द्वारा दायर शिकायत में सिंह को आरोपमुक्त भी कर दिया। अदालत ने सिंह के खिलाफ आपराधिक धमकी का आरोप तय करने का आदेश दिया। वह 21 मई को औपचारिक रूप से आरोप तय करेगी। उसने मामले में सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय करने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने छह बार के सांसद सिंह के खिलाफ मामले में 15 जून को धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल), 354 ए (यौन उत्पीड़न), 354 डी (पीछा करना) और भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप पत्र दायर किया था।

मतदान प्रतिशत पर खरगे की चिट्ठी पर आयोग ने कहा - पूर्वाग्रह युक्त विमर्श को आगे बढ़ाने की कोशिश

नई दिल्ली/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मतदान आंकड़ों पर विपक्षी नेताओं को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा लिखे गए पत्र पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे स्पष्टीकरण मांगने की आड़ में पक्षपातपूर्ण विमर्श को आगे बढ़ाने का प्रयास बताया।

अनुलग्नकों के साथ पांच पन्नों के जवाब में निर्वाचन आयोग ने मतदान आंकड़ा जारी करने में कुप्रबंधन और देरी के आरोपों को खारिज कर दिया तथा खरगे के आरोपों को अनुचित, तथ्यहीन और भ्रम फैलाने के पक्षपातपूर्ण और जानबूझकर किए गए प्रयास को प्रतिबिंबित करने वाला करार दिया। आयोग ने खरगे के उस बयान की निंदा की जिसमें उन्होंने आश्चर्य जताया था कि क्या मतदान प्रतिशत आंकड़ा जारी करने में देरी अंतिम परिणामों में हेरफेर करने का प्रयास है।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसे मौजूदा चुनावी प्रक्रिया के बीच में सार्वजनिक रूप से जारी किया गया खरगे का पत्र बेहद अवांछनीय लगा और इसे सुचारू, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के संचालन में भ्रम, गलत दिशा और बाधा पैदा करने के लिए तैयार किया गया था। आयोग ने कहा, जब आपने पूछा कि क्या यह अंतिम परिणामों में छेड़छाड़ का प्रयास हो सकता है, तो पोस्ट की सामग्री, संकेतों और आक्षेपों के माध्यम से, चुनाव प्रबंधन की संवेदनशीलता के संबंध में असामंजस्य पैदा करती है।

नवीन पटनायक यदि छठी बार मुख्यमंत्री नहीं बने तो राजनीति छोड़ दूंगा : पांडियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी के पांडियन ने शुक्रवार को कहा कि यदि पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक विधानसभा चुनाव के बाद लगातार छठी बार ओडिशा के मुख्यमंत्री नहीं बने तो वह राजनीति छोड़ देंगे। पटनायक के करीबी पांडियन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को यह घोषणा करने की चुनौती दी कि यदि राज्य में भाजपा सत्ता में नहीं आयी तो वह भी राजनीतिक 'संन्यास' ले लेंगे। प्रधान ओडिशा में भाजपा का चेहरा हैं।

नौकरशाह से नेता बने पांडियन ने झारसुगुडा जिले के ब्रजराजनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''आप (भाजपा) कहते हैं कि ओडिशा में भाजपा की लहर एवं परिवर्तन की लहर है, लेकिन मैं दृढ़तापूर्वक कहता हूं कि यदि मुख्यमंत्री फिर मुख्यमंत्री नहीं बनते हैं तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा।''

पटनायक पांच मार्च, 2000 से ही ओडिशा की सत्ता में हैं। पांडियन ने दावा किया कि भाजपा उन्हें पटनायक का 'गुमास्था' (क्लर्क) या 'चमचा' कहती है। उन्होंने कहा, '' लेकिन आप (प्रधान) तो एक केंद्रीय मंत्री हैं। यदि आपमें साहस है तो घोषणा कीजिए कि यदि ओडिशा में भाजपा सत्ता में नहीं आती है तो आप राजनीति से संन्यास ले लेंगे।'' बीजद नेता ने पूछा कि प्रधान ने ओडिशा के लोगों के लिए क्या किया है। पांडियन ने दावा किया कि भाजपा नेता ने 10 साल ढेंकानाल से चुनाव लड़ने की कोशिश की लेकिन आखिरकार संबलपुर चले गये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच मई को कहा था कि चार जून ओडिशा में बीजद सरकार के समापन की तारीख है और 10 जून को भाजपा का एक मुख्यमंत्री शपथ लेगा।

किसी भी समय मैंने डोप नमूना देने से इनकार नहीं किया : पूनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने दावा किया है कि उन्होंने मार्च में सोनीपत में चयन ट्रायल के दौरान मूत्र का नमूना देने से इसलिये इनकार किया क्योंकि डोप नियंत्रण अधिकारी इस बात का पर्याप्त सबूत देने में विफल रहे कि वे जांच करने के लिए उचित उपकरण लाये हैं या नहीं। तोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता पूनिया ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से सिर्फ यह बताने की मांग की थी क्योंकि पिछले दो में से एक मौके पर नाडा अधिकारी 'एक्सपायर्ड किट' के साथ पहुंचे थे, वहीं दूसरे मौके पर वे सिर्फ एक जांच किट के साथ पहुंचे थे जबकि इसके लिए तीन किट अनिवार्य होती हैं।

देश के सबसे सफल पहलवानों में से एक पूनिया को 18 अप्रैल को अपनी जगह बताने में विफल होने का नोटिस जारी करने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने 23 अप्रैल को निलंबित

कर दिया था। बृहस्पतिवार को नाडा के उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित किये जाने के बाद कुश्ती की विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी इस साल के अंत तक निलंबित कर दिया। पूनिया ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा, ''यह स्पष्ट करना है कि मैंने किसी भी समय डोपिंग नियंत्रण के लिए अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। 10 मार्च 2024 को जब कथित डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों ने मुझे संपर्क किया तो मैंने उन्हें सिर्फ यह याद दिलाया कि पिछली दो दफा जब वे मेरे नमूने लेने आये थे तो एक बार वे 'एक्सपायर्ड किट' लेकर आये थे। '' उन्होंने लिखा, ''और दूसरी बार जब वे मेरा नमूना लेने आये तो एक ही जांच किट के साथ आये थे जबकि तीन किट लाना अनिवार्य होता है। ''

पूनिया ने कहा कि उन्होंने 10 मार्च को डोप नियंत्रण अधिकारी से पिछली दो चूक के संबंध में जवाब मांगा था, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''मैंने अधिकारियों से जवाब मांगा था क्योंकि नाडा ने मेरे किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया जिसमें मैंने इसके बारे में स्पष्टीकरण देने मांग थी और सूचित किया था कि मैं इसका स्पष्टीकरण मिलने के बाद ही अपना नमूना दूंगा। ''

सुविचार

पानी मे तस्वीर कहाँ बनती है, ख्वाबों से तकदीर कहाँ बनती है, कोई भी रिश्ता हो ज़िन्दगी में सच्चे दिल से निभाओ, क्योंकि ये ज़िन्दगी वापस किसे मिलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

परमाणु बम और इज़्ज़त

चुनावी मौसम में सैम पित्रोदा ने अपनी बयानबाजी से कांग्रेस की खूब किरकिरी कराई। उन्हें इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा भी देना पड़ा। इतनी बड़ी घटना के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को चाहिए था कि वे वाणी के संयम का संकल्प लेते, खासकर उन नेताओं को तो संदेश भेजकर पाबंद कर देना चाहिए था, जो विधानसभा/लोकसभा चुनावों के दौरान अपने बड़बोलेपन से तूफान खड़ा कर देते हैं। मणिशंकर अय्यर ने एक साक्षात्कार में जिस तरह पाकिस्तान का जिक्र किया, उससे उन्हें इस पड़ोसी देश से खूब तारीफें मिल रही हैं। मिलें भी क्यों नहीं, आखिर उन्होंने अपने ही देश को सख्त नसीहत जो दे डाली – 'पाकिस्तान की इज़्ज़त करें ... क्योंकि उसके पास परमाणु बम है!' अय्यर ने कितने बड़े रहस्य का उद्घाटन कर दिया! निश्चित रूप से उनके द्वारा दी गई जानकारी से कई लोगों के ज्ञान में वृद्धि होगी! क्या अय्यर यह नहीं जानते कि इज़्ज़त कमाई जाती है, मांगी नहीं जाती? उसके लिए समाज, देश और मानवता के लिए कुछ सकारात्मक करना होता है। इसमें वर्षों लग जाते हैं। तब जाकर प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता जुड़ती हैं। पाकिस्तान द्वारा किया गया कोई एक काम बता दें, जिससे मानवता को रत्तीभर भी लाभ हुआ हो! यह देश अपने अस्तित्व में आने से पहले ही भयंकर खून-खराबे की वजह बना था। बंटवारे के दौरान लाखों लोग मारे गए थे। इसकी फौज ने पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में नरसंहार किया था। वहां भी लाखों लोग मारे गए थे, हजारों महिलाओं से दुष्कर्म हुआ था। इसने साजिशन अपने अल्पसंख्यकों को खत्म कर दिया। यह आतंकवाद का गढ़ है। ओसामा-बिन लादेन से लेकर हाफिज सईद, जकीउर्रहमान लखवी, दाऊद इब्राहिम, मसूद अजहर और कसाब जैसे आतंकवादी इसके 'नायक' हैं। इस देश ने दुनिया को सिरदर्द दिया है, मानवता को लहूलुहान किया है। परमाणु बम के नाम पर पाकिस्तान के लिए इज़्ज़त की पैरवी करना वैसा ही है, जैसे किसी सीरियल किलर का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत करने के लिए कहना, क्योंकि उसके हाथ में चाकू है!

मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान के बारे में समय-समय पर जो भी बयान दिए, उन्हें सुनकर इस बात को लेकर विश्वास और दृढ़ हो जाता है कि वे कई ग़लत-फ़हमियों से घिरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि पाकिस्तानी बड़े ही विश्वसनीय, शांतिप्रिय, मासूम लोग हैं और सारी कमियां हमारी ओर हैं, क्योंकि मौजूदा केंद्र सरकार इस पड़ोसी देश से बातचीत नहीं कर रही। अय्यर भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं। वे इतना तो जानते ही होंगे कि हर सरकार ने अपने स्तर पर पाकिस्तान से संबंधों को सुधारने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें बदले में धोखा मिला। अगर कारगिल युद्ध से लेकर संसद हमले, 26/11, पठानकोट, उरी, पुलवामा, पुंछ हमले की ही बात करें तो भारत के सैकड़ों लोगों की हत्या के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है। आश्चर्य की बात है कि कुछ साल पहले मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान के एक समाचार चैनल को साक्षात्कार देते हुए कह रहे थे कि 'हमें ले आइए, इनको हटाइए', क्योंकि उनका मानना था/है कि दोनों देशों के बीच बातचीत होती रहनी चाहिए! हमारे इतने देशवासियों के बलिदान के बाद भी अय्यर को उम्मीद है कि बातचीत के जरिए पाकिस्तान से संबंधों में सुधार हो जाएगा। अगर पाकिस्तान से बातचीत से ही संबंध सुधरने होते तो बहुत पहले सुधर जाते। क्या पिछली सरकारों, जिनमें अय्यर की पार्टी की सरकारें भी शामिल हैं, ने कम बातचीत की थीं? भारत के हर प्रधानमंत्री ने अपने-अपने कार्यकाल में पाकिस्तान के साथ शांति और मैत्री को बढ़ावा देने के प्रयास किए, लेकिन हमारे देश में आतंकवादी हमले होते रहे, क्योंकि पाक शांति नहीं चाहता। उसकी फौज 'ब्लीड इंडिया विद ए थाउजैंड कट्स' नामक सैन्य सिद्धांत पर काम कर रही है, जिसमें भारत को आतंकवाद, अलगाववाद, दुष्प्रचार, हवाला, नकली मुद्रा के प्रसार जैसे कई तरीकों से कमजोर करने की बातें कही गई हैं। इस स्थिति के रहते अय्यर शांति व मैत्री के कितने ही कबूतर उड़ा लें, पाकिस्तान का रवैया नहीं बदलने वाला।

ट्वीटर टॉक

जब हमारा देश आजाद हुआ, उस समय दुनिया की अर्थव्यवस्था में हम नंबर 6 पर थे, लेकिन यहां सरकारें ऐसी चलीं कि हम 11वें नंबर पर पहुंच गए। पिछले 10 साल में हमारे एक के बाद एक सुविचारित कदमों से हम आज 11वें से 5वें नंबर पर आ गए हैं।

-नरेन्द्र मोदी

राहुल गांधी विदेशों में भारत के खिलाफ बोलते हैं और वही कांग्रेस चाहती है कि हम पाकिस्तान को इज्जत दें ताकि वो हम पर हमला ना करे। भारत में बैठकर पाकिस्तान के हिमायती एटम बम की गीदड़ भभकी दे रहे हैं।

-कंगना रानौत

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'पद्म पुरस्कार-2024' के अंतर्गत राजस्थान के लोक संगीत 'मांड' में निपुण बीकानेर के श्री अली मोहम्मद जी एवं श्री गनी मोहम्मद जी को 'पद्म श्री' सम्मान से विभूषित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सच्चा सुख

एक करोड़पति हीरों की पोटली लेकर शहर-शहर, गांव-गांव घूम रहा था। उसका कहना था कि जो उसे सुख देगा, ये सारे हीरे उसके होंगे। वह एक गांव में पहुंचा, वहां एक किसान के पास खेतों में जाकर घोड़ा खड़ा किया व पोटली पटक कर बोला, 'मैं बहुत दुखी हूं, मुझे सुख चाहिए।' किसान समझदार था, उस धनवान की बीमारी समझ गया। बोला, 'बैठिए।' इससे पहले कि धनवान बैठता, किसान पोटली लेकर भाग खड़ा हुआ। अमीर उसके पीछे-पीछे दौड़ा, चिल्लाता हुआ बोला, 'लुट गया, मैं बर्बाद हो गया। मेरी सारी उम्र की कमाई लेकर भाग गया, इसे पकड़ो।' किसान ने उसे सारे गांव का चक्कर लगवाया। आखिर में वापस उसी खेत में घोड़े के पास आकर पोटली रख दी। अमीर भी वहां पहुंच गया। उसने पोटली को सीने से लगा लिया। किसान बोला, 'कुछ सुख मिला?' अमीर बोला, 'कुछ, अरे बहुत मिला! इससे ज्यादा सुख मैंने पूरे जीवन में नहीं पाया।' कुछ पाने के लिए कुछ खोना जरूरी है।

सामयिक

उत्तरप्रदेश की दो सीटों पर नहीं चला मोदी का जादू

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मोदी-योगी मैजिक चलता दिख रहा है। बीजेपी का शायद ही कोई ऐसा उम्मीदवार होगा, जो बिना इस मैजिक के चुनाव जीतने की कल्पना कर सकता हो, लेकिन दो लोकसभा सीटें ऐसी भी हैं जहां मोदी-योगी पर क्षेत्रीय नेता भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। इसमें से एक लखीमपुर खीरी की और दूसरी कैसरगंज लोकसभा सीट है,जहां के मौजूदा सांसदों का टिकट काटने का साहस बीजेपी आलाकमान भी नहीं कर पाया। इसमें से एक खीरी सीट पर 13 मई और दूसरी कैसरगंज लोकसभा सीट पर 20 मई को मतदान होना है। पहले बात खीरी लोकसभा सीट की,जहां बीजेपी आलाकमान पर मौजूदा सांसद और प्रत्याशी बदलने का काफी दबाव था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। इसी के चलते लगातार दो बार से जीतकर केंद्र में मंत्री का पद प्राप्त करने वाले अजय कुमार मिश्र टेनी चौथी बार मैदान में हैं। इस बार वह क्या तीसरी बार भी चुनाव जीतकर कीर्तिमान बनाएंगे? यह सवाल खीरी की राजनीति को मथ तो रहा है, लेकिन इससे बेफिक्र टेनी और उनके समर्थक केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से चुनावी लाभ के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं। टेनी उस समय विवाद में आ गये थे जब उनके बेटे ने आंदोलन कर रहे किसानों पर गाड़ी चढ़ा दी थी, जिसमें कई लोगों की मौत भी हो गई थी।

दूसरी ओर, विपक्षी दल जातीय ध्रुवीकरण कर अपने पक्ष में समीकरण साधने की कोशिश कर रहे हैं, विशेषकर सपा-कांग्रेस गठबंधन। सपा प्रत्याशी के उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' को सबसे बड़ा भरोसा अपनी बिरादरी (कुर्मी) के 18 प्रतिशत वोट पर है। यहां जातीय गणित में 4.75 लाख ओबीसी, 3.25 लाख मुस्लिम, 4.25 लाख दलित मतदाता हैं। 16 प्रतिशत ब्राह्मण हैं और सिख मतदाता भी ठीकठाक हैं। ओबीसी में कुर्मी बिरादरी के मतदाता ही इस सीट पर निर्णायक भूमिका अदा करेंगे। उधर, बसपा 1989 से इस सीट से दिल्ली पहुंचने की राह देख रही है। बसपा ने अमरोहा के रहने वाले अंशय सिंह कालरा को मौका दिया है। वह पार्टी के कैडर वोट, युवाओं और हर उस शोषित वंचित मतदाताओं के बल पर मैदान में होने का दावा कर रहे हैं जिनको सरकार ने अब तक हाशिए पर रखा। खीरी में पहले आम चुनाव से अब तक सबसे ज्यादा नौ बार कांग्रेस, चार बार भाजपा, तीन बार सपा, एक-एक बार जनता पार्टी और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी (प्रसोपा) ने जीत दर्ज कराई है। वर्ष 1991 और 1996 में लगातार दो बार भाजपा के जीएल कनौजिया सांसद बने। बाल गोविंद वर्मा के पुत्र रवि प्रकाश वर्मा ने सपा से लगातार तीन बार 1998, 1999 व 2004 में जीत दर्ज कराई। 2009 में कांग्रेस प्रत्याशी जफर अली नकवी ने अजय कुमार मिश्रा टेनी को हराया था। वर्ष 2014 व 2019 में टेनी सांसद बने।

खीरी जिले की सभी आठ विधानसभा सीटें भाजपा के कब्जे में हैं। इसके अलावा चार नगर पालिकाओं व आठ नगर पंचायत में भी भाजपा ज्यादातर जगह काबिज है और लगभग सभी ब्लाकों पर भी। 2019 के आम चुनाव में मतदान का प्रतिशत 64 प्रतिशत से ज्यादा था जो 2014 के चुनाव से ज्यादा आगे नहीं निकल सका। खीरी की जनता से जब पूछा जाता है तो उनका कहना रहता है कि इस सरकार में गरीबों की ओर ध्यान दिया गया है। कानून व्यवस्था बेहतर है। वैसे तो माहौल सब राममय है लेकिन दो पार्टियां मिलकर एक साथ लड़ रही हैं तो इसका असर चुनाव में दिखाई पड़ेगा। विपक्ष पहले से मजबूत है, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन जिस तरह से गन्ना का मूल्य बढ़ा है, किसानों के लिए फायदेमंद है। बाकी तो मतदाता खामोश है और निर्णय मतदान के दिन ही लेगा। 20 मई को पांचवें चरण में कैसरगंज लोकसभा सीट पर मतदान होना हैं। यहां से बीजेपी ने अपने बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट तो काट दिया,लेकिन वह इतना साहस नहीं जुटा सकी की बृजभूषण के परिवार के किसी सदस्य की जगह किसी दूसरे प्रत्याशी को मैदान में उतार कर जीत हासिल कर पाती। इसलिये आलाकमान ने काफी माथापच्ची के बाद उनके बेटे को ही टिकट थमा दिया।

मंथन

भविष्य की अहिंसक महाशक्ति होगा भारत

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

भारत की सकारात्मक विदेश नीति और निरपेक्ष छवि पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण तथा आदर्श की तरह सामने आई है, इसी रफ्तार से यदि भारत अपनी आंतरिक क्षमता, आर्थिक नीति तथा विदेशी संबंधों को गति देती है तो इसमें कतई संदेह नहीं कि भारत आने वाले समय में आर्थिक सामरिक और वैश्विक शांति का नेतृत्व करेगा जिसके फलस्वरूप उसे शांति महाशक्ति के रूप में पूरा विश्व स्वीकार करेगा।

पिछले कुछ वर्षों की कोविड-19 महामारी के कारण पूरा विश्व अशांत एवं तनावग्रस्त रहा है। इसके तुरंत बाद तालिबान-अफगानिस्तान युद्ध में विश्व युद्ध की आशंका मंडराने लगी थी, रूस यूक्रेन युद्ध और इजराइल फिलिस्तीन वार से पूरा विश्व चिंता तथा तनाव के मध्य जीने लगा था। रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन लगभग तबाही के कगार पर बैठा है और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पुनः पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति बनने एवं पूर्व में परमाणु बमों का इस्तेमाल करने की घोषणा ने आग में घी का काम कर दिया है। परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध की विभीषिका के बादल मंडराने लगे हैं। विश्व के अनेक राष्ट्र जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, साउथ अफ्रीका और अन्य यूरोपीय देश भारत और रूस के कई वर्षों के निरंतर घनिष्ठ संबंधों के आधार पर भारत और भारत के प्रधानमंत्री से यह आशा लगाए बैठे हैं कि वह रूस और यूक्रेन युद्ध पर मध्यस्थता कर युद्ध में विराम लाने का प्रयास करेंगे। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश ने लगभग 40 देशों को कोविड-19 के महामारी के दौरान कई तरह से मदद भी की है। हालांकि भारत में महामारी के दौरान यूरोपीय देशों तथा अन्य देशों ने भी अपना परिवार मानकर खुले दिल से संक्रमण से लड़ने के लिए आर्थिक एवं चिकित्सकीय सहायता प्रदान की थी। भारत की विदेश नीति में वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की नीति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य की गई है। इसमें दो मत नहीं कि अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति की वन टू वन बैठक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ट्रस्टीशिप की नीति एवं भावना की दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने बड़ी सराहना की, और उस पर विश्व को अमल करने की बात भी कही। भारत की विश्व के कई देशों को की गई सहायता भारत की नीति वसुधैव कुटुंबकम को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करती है। भारत के प्रधानमंत्री ने सदैव अपनी अभिव्यक्ति में भी यह स्पष्ट रूप से जताया है कि भारत पूरे विश्व को अपना परिवार मानता है एवं इसकी शांति तथा सुरक्षा की चिंता करते हुए अपनी विदेश नीति बनाता है।

वसुधैव कुटुंबकम की भावना से ओतप्रोत होने के कारण ही प्राचीन समय से अब तक भारत में हर जाति, हर धर्म के लोगों को शरण दी थी। उन्हें अपनाया गया फिर चाहे वह मुगल हो या अंग्रेज ही क्यों ना हो। भारत ने सभी को एक परिवार मानकर व्यवहार किया है। पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोलवीं तथा 17वीं शताब्दी में यूरोप में औद्योगीकरण का युग प्रारंभ हुआ और अलग-अलग देशों ने अपने-अपने उपनिवेश बनाने शुरू कर दिए और तब वसुधैव कुटुंबकम की भावना को क्षति पहुंची। तब राष्ट्रवाद का जन्म हुआ। राष्ट्रवाद एक राष्ट्र तक ही सीमित होकर रह गया है। आज पूरा विश्व अलग-अलग समूहों में बट चुका है, और अपने लाभ तथा उद्देश्यों के प्रति सजग तथा अलर्ट है। इन सभी देशों का उद्देश्य विकास और शांति का ही है। अतः सभी देशों को आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आकर वसुधैव कुटुंबकम की भावना को बलवती करना चाहिए। अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख विकासवान देश इस भावना से कार्य करने पर प्रगति पर हैं, पर कुछ देश जो वैश्विक अशांति के लिए खतरा बन चुके हैं। सब दूसरे देशों सेअलग-थलग पड़ गए हैं। यह बात सर्वविदित है कि विश्व के देशों को वसुधैव कुटुंबकम की भावना से एकजुट होकर विकास की ओर अग्रसर होना चाहिए, क्योंकि विकास का मार्ग एकजुटता से होकर ही प्रशस्त होता है। अभी इस दिशा में बहुत काम करना शेष भी है। भारत के प्रधानमंत्री की अमेरिका सफल यात्रा के बाद पूरे विश्व में भारत का कद तो ऊंचा हुआ ही है, इसके साथ ही वसुधैव कुटुंबकम की भावना भी बलवती हुई है। इसी भावना के साथ भारत देश को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का सदस्य बनाए जाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। यदि भारत संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का छठवां सदस्य बनता है, तो यह भारतीय गणतंत्र की बड़ी सफलता होगी। भारत के ऋषि मुनियों द्वारा प्रतिपादित वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भारत ने अपनी वैश्विक विदेश नीति के तहत एक प्रमुख नीति बनाकर विश्व में शांति तथा विकास की बात हमेशा दोहराई है। आज हम इस मुकाम पर खड़े हैं कि भारत देश की बात विश्व के देश बड़ी शांति और पूरे ध्यान से सुनते हैं। कई देशों ने आपसी भाईचारे पर अमल करना भी शुरू कर दिया है। यह भारतीय कूटनीति की बड़ी सफलता भी है। वसुदेव कुटुंबकम जियो और जीने दो तथा वैश्विक शांति के मार्ग पर भारत चलकर वैश्विक गुरु बनने की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यह भारत का अमोघ अस्त्र साबित होगा जिससे विश्व में शांति सौहार्द और विकास स्थापित होने की संभावना बलवती होगी।

नजरिया

बयानों के बाद सैम पित्रोदा को आखिर हटना पड़ा

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

अपनी नस्लवादी टिप्पणी को लेकर चल रहे विवाद के बीच सैम पित्रोदा ने बुधवार को अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। उनके इस फैसले को सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वीकार कर लिया है। यह पहली बार नहीं था कि सैम पित्रोदा ने कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी की हो इसके पहले भी अपने विवादास्पद बयान से वे कांगेस का भट्टा बैठा चुके है व बाद में कांग्रेस को उन बयानों पर लीपा पोती करके अपने को संभालना पड़ा है।

अक्सर राहुल गांधी के करीबी सहयोगी माने जाने वाले पित्रोदा ने हालिया बयान में कहा कि भारत के पूर्व में लोग चीनी जैसे दिखते हैं और दक्षिण में लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं। पित्रोदा का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की तुलना इस तरह करते नजर आ रहे हैं जिससे कोई भी नाराज हो सकता है।पित्रोदा कहते हैं कि 'भारत एक अत्यंत विविधता भरा देश है, जहां पूर्वी भारत में रहने वाले लोग चीन के लोगों जैसे, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे, उत्तर भारत में रहने वाले श्वेतों की तरह और दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी लोगों की तरह दिखते हैं। लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता। हम सभी भाई-बहनें हैं। वे कहते हैं कि हम अलग-अलग भाषाओं, धर्मों और रीति-रिवाजों का सम्मान करते हैं। ये वही भारत है, जिस पर मेरा भरोसा है, जहां हर किसी का सम्मान है और हर कोई थोड़ा-बहुत समझौता करता है।' देखा जाए तो यह बहुत सामान्य सी बात है। हम लोग आम जीवन में इस तरह की तुलनात्मक बातें करते रहते हैं। पर जब कोई शख्स आम के बजाय खास बन जाता है तो उसकी बातचीत के कई मतलब निकाले जाते हैं। और जब चुनाव चल रहे हैं और आप देश की सबसे बड़ी पार्टी में से एक के जिम्मेदार सदस्य हैं तो आपकी जवाबदेही और बनती है कि आप क्या बोल रहे हैं?

शायद यही कारण है कि सैम पित्रोदा का बयान वायरल होते ही भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद मोर्चा संभाल लिया। तेलंगाना के वारंगल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेस और राहुल गांधी को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि 'आज मैं बहुत गुस्से में हूं। शहजादे के एक अंकल ने आज ऐसी गाली दी है, जिसने मुझे गुस्से में भर दिया है। संविधान सिर पर रखने वाले लोग देश की चमड़ी का अपमान कर रहे हैं।' आखिर प्रधानमंत्री को कांग्रेस पर हमला करने का मौका किसने दिया?

इससे पहले कांग्रेस नेता पित्रोदा ने विरासत कर के बारे में बात करके विवाद खड़ा कर दिया था, जिसे भाजपा ने चुनावी मुद्दा बना लिया। पित्रोदा ने कांग्रेस के घोषणापत्र में संपदा के पुन: वितरण के मुद्दे पर बात करते हुए अमेरिका में विरासत कर का उल्लेख किया था। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया था। पित्रोदा ने 6 अप्रैल 2019 को कहा था कि मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए। उन्हें ज्यादा टैक्स देने के लिए कमर कस लेना चाहिए। इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी सकते में आ गई। पार्टी को सफाई देनी पड़ी कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वो मध्य वर्ग पर कोई अतिरिक्त कर का बोझ नहीं डालेगी। 2019 लोकसभा चुनावों के दौरान सिख दंगों पर एक बयान देकर पित्रोदा फंस गए थे। दरअसल, भाजपा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए राजीव गांधी को मास्टरमाइंड कहा था। इस पर पूर्व प्रधानमंत्री के करीबी सहयोगी रहे पित्रोदा ने 10 मई 2019 को कहा था, अब क्या है 1984 का। भाजपा ने 5 साल में क्या किया, उसकी बात करें। 84 हुआ तो हुआ, आपने क्या किया। कांग्रेस को इस बयान से भी किनारा करना पड़ा और पित्रोदा को माफी मांगनी पड़ी। पुलवामा में आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इस पर सवाल उठाते हुए 22 मार्च 2019 को पित्रोदा ने कहा था कि ऐसे हमले होते रहते हैं। कुछ

आतंकियों ने हमला किया, इसकी सजा पूरे पाकिस्तान को क्यों दी जा रही है। 6 जून 2018 को राम मंदिर पर पित्रोदा ने कहा था कि भारत में बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा जैसी समस्याओं के बारे में कोई बात ही नहीं करता। हर कोई राम, हनुमान और मंदिर की बात करते हैं। मंदिर बनाने से लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा।

सबसे पहला सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस जानबूझकर ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन नहीं लेती? क्योंकि यह बार-बार देखा जाता है कि कांग्रेस पार्टी में एक गलती करने वाला बार-बार वैसी ही गलतियां करता है। उन गलितयों को पार्टी उनका व्यक्तिगत मामला मानकर पल्ला झाड़ लेती है। यह भी कहती है कि उनका स्टैंड पार्टी का स्टैंड नहीं है। पर बाद में ऐसे शख्सियत जब पार्टी में पुरस्कृत होते हैं तो संदेह होना लाजिमी हो जाता है। एक उदाहरण दिग्विजय सिंह का है। दिग्विजय सिंह लगातार आतंकवादियों के प्रति हमदर्दी जताने के जाने जाते हैं।

कभी ओसामा बिन लादेन और हाफिज सईद के नाम के आगे जी लगाने के लिए उनकी कड़ी आलोचना हुई थी। इसी तरह उन्होंने बाटला हाउस एनकाउंटर में भी मारे गए आतंकियों के लिए संवेदना जताई थी। हर बार वो इस तरह की गलतियां करते रहे हैं पर उनपर कोई एक्शन भी नहीं होता। अब लोकसभा टिकट से उन्हें उनकी गलतियों के लिए पुरस्कृत किया गया है।जाहिर है कि ऐसा ही विजय वेडट्टियार और चरनजीत सिंह चन्नी के साथ भी है। चरनजीत सिंह चन्नी ने एयरफोर्स हमले को ही फॉल्स ऑपरेशन की संज्ञा दे दी। विजय वेडट्टियार ने कसाब को निर्दोष करार दे दिया। इस तरह की बातें करने वालों पर कोई एक्शन नहीं होने से कई बार ऐसा लगता है कि क्या कांग्रेस में यह सब एक योजनाबद्ध तरीक से तो नहीं होता।क्योंकि दूसरी पार्टियों में इस तरह की हरकत करने वालों को तुरंत दंडित कर दिया जाता है। पित्रोदा केस में ऐसा ही हुआ, उन्होंने इस्तीफा दिया है पर उन्हें दंडित नहीं किया गया है। ये बात खुद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट करके कही है कि सैम पित्रोदा का इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष ने मंजूर कर लिया है पर उन्होंने इस्तीफा अपनी मर्जी से दिया है। मतलब सीधा है कि कांग्रेस ने एक्शन नहीं लिया है पित्रोदा खुद अलग हो गए हैं।

कांग्रेस में अकसर ऐसा देखा गया है कि किसी खास मुद्दे पर ठीके एक दूसरे से विरोधी विचार सामने आते हैं। और एक साथ आते हैं। द्रमुक नेता उदयनिधि मारन के सनातन को डेंगू मलेरिया कहने के बाद कांग्रेस में एक साथ कई विचार आए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे को उदयनिधि मारन की बातों में कोई बुराई नहीं दिखी। पर ठीक उसी समय मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने इसका खंडन किया। देशभर में दर्जनों ऐसे नेताओं के बयान आए जो मारन की बातों से यकीन नहीं रखते थे। तो बहुत से लोगों ने सीधे मारन और खरगे को सपोर्ट किया। इसी तरह राम मंदिर के मुद्दे पर पूरी पार्टी में अलग-अलग विचार सामने आते रहे। कोई समर्थन में था तो कोई इसके विरोध में। कोई भी पार्टी इस तरह के विचारों पर एक मत नहीं है तो निश्चित है कि उसके समर्थकों में कन्फ्यूजन पैदा होगा। पर कांग्रेस नेताओं को लगता है कि इस तरह एक ही मुद्दे पर अलग-अलग विचार करके सभी विचार वालों को पार्टी चुनावों में साध लेगी। पर जब जनता के सामने विकल्प को रूप मे ऐसी पार्टियां रहेंगी जो एक विचार पर पूरी शिद्दत से लगी हुई हैं तो जनता ऐसे ढुलमुल विचार वाले के साथ क्यों जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दर्शन

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को रुद्रप्रयाग जिले में 'चार धाम यात्रा' की शुरुआत के प्रतीक के रूप में भक्तों के लिए केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने के बाद पत्नी गीता धामी के साथ दर्शन करने पहुंचे।

वीआईटीईईई: वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर/दक्षिण भारत। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (वीआईटीईईई) के नतीजे घोषित हो गए हैं। बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 19 अप्रैल से 30 अप्रैल तक भारत के 125 शहरों और विदेश के छह शहरों (दुबई, कुवैत, मस्कट, कतर, कुआलालंपुर और सिंगापुर) में कंप्यूटर आधारित प्रोक्टर्ड परीक्षा के रूप में आयोजित की गई थी। वीआईटीईईई-2024 में भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आवेदकों ने भाग लिया था। नतीजे यूजीरिजल्ट्स डॉट वीआईटी डॉट एसी डॉट इन / वीआईटीईईई पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा वीआईटी की वेबसाइट वीआईटी डॉट एसी डॉट इन पर भी देख सकते हैं। पहली रैंक हरियाणा के रूपिंदर सिंह ने प्राप्त की। राजस्थान के भानू महेश चेकुरी दूसरे स्थान पर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के ए वेदांत की तीसरी रैंक आई है। असम की आयुषी बैद को चौथी रैंक मिली है। वहीं, उत्तर प्रदेश की सान्वी सिंह को पांचवीं, महाराष्ट्र के अभिराज रमाकांत यादव को छठी, उत्तराखंड के चैतन्य रमेश बोचरे को सातवीं, उत्तर प्रदेश के विक्की कुमार सिंह को आठवीं, हिमाचल प्रदेश के सोहन हाजरा को नौवीं और बिहार के साहिल को 10वीं रैंक मिली है।

वीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, वीआईटी-वेल्लोर, वीआईटी-चेन्नई, वीआईटी-एपी और वीआईटी-भोपाल के बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक लाख रैंक के भीतर के आवेदक काउंसलिंग में भाग लेने के लिए पात्र हैं।

रैंक-वार काउंसलिंग इस तरह होगी

पहले चरण में रैंक 1-20000 के लिए 7 मई से 10 मई तक, दूसरे चरण में रैंक 20001-45000 के लिए 18 मई से 21 मई तक, तीसरे चरण में रैंक 45001-70000 के लिए 29 मई से 1 जून तक, चौथे चरण में रैंक 70001-100000 के लिए 9 जून से 12 जून तक। एक लाख से ऊपर रैंक वाले अभ्यर्थी केवल वीआईटी-एपी और वीआईटी-भोपाल के बीटेक कार्यक्रमों में काउंसलिंग के लिए पात्र हैं। इन रैंकों के लिए 5वें चरण की काउंसलिंग 20 से 23 जून तक निर्धारित है। वीआईटी आवंटन सुनिश्चित करने के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन काउंसलिंग के दौरान अधिकतम संख्या में विकल्प देने के लिए प्रोत्साहित करता है। कक्षाएं जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है।

शीर्ष वीआईटीईईई रैंक वाले अभ्यर्थियों को सभी 4 वर्षों के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। रैंक 1 से 10 तक के लिए ट्यूशन फीस में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। रैंक 11 से 50 तक को 75 प्रतिशत दी जाएगी। इसी तरह रैंक 51 से 100 तक 50 प्रतिशत दी जाएगी। रैंक 101 से 500 तक वालों की 25 प्रतिशत ट्यूशन फीस माफ की जाएगी। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले जिला टॉपर्स (एक लड़का और एक लड़की) को 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस माफी और छात्रावास से छूट दी जाएगी। इसी तरह सपोर्ट द एडवांसमेंट ऑफ रूरल स्टूडेंट्स योजना के तहत मेस फीस में छूट होगी। विभिन्न 3-वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों, 4-वर्षीय बीएससी ऑनर्स (कृषि), बीआर्क, बीडीईएस (औद्योगिक डिजाइन) और 5-वर्षीय इंटिग्रेटेड कार्यक्रमों के लिए भी आवेदन खुले हैं। इनके बारे में अधिक जानकारी वीआईटी वेबसाइट पर ली जा सकती है।

पाकिस्तान के परमाणु बम संबंधी अय्यर के बयान पर विवाद, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान संबंधी कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान से शुक्रवार को विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद कांग्रेस ने तुरंत उनकी टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया जबकि भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर पाकिस्तान तथा उसकी धरती से पनपने वाले आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया।

अय्यर ने कहा कि वीडियो पुराना है और इस समय इसे इसलिए ढूंढ कर निकाला गया है क्योंकि भाजपा का चुनाव अभियान लड़खड़ा रहा है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें अय्यर यह कहते नजर आ रहे हैं कि भारत को पाकिस्तान का सम्मान करना चाहिए क्योंकि वह एक संप्रभु राष्ट्र है और उसके साथ संवाद कायम करना चाहिए क्योंकि उसके पास भी परमाणु बम है।

उन्हें वीडियो में यह संकेत देते सुना जा सकता है कि अगर कोई 'सनकी व्यक्ति' वहां सत्ता में आ जाता है और परमाणु बम का इस्तेमाल करता है तो यह अच्छा नहीं होगा और इसका असर यहां भी होगा। इस टिप्पणी पर विवाद शुरू होने पर कांग्रेस ने कहा कि वह कुछ महीने पहले की गई अय्यर की टिप्पणी से पूरी तरह असहमत है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर कहा कि अय्यर किसी भी हैसियत से पार्टी का पक्ष नहीं रखते हैं।

खेड़ा ने लिखा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस श्री मणिशंकर अय्यर द्वारा कुछ महीने पहले की गई कुछ टिप्पणियों से अपने आप को अलग करती है और पूरी तरह से उनसे असहमत है। देश समझ रहा है कि भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की दैनिक गलतियों एवं निरंतर डगमगाते प्रचार से ध्यान हटाने के प्रयास में इन पुरानी व अप्रासंगिक टिप्पणियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है।

आशीर्वाद

भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत शुक्रवार को मनाली स्थित आनंद वर्धन पहुंचकर सुधांशु महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर प्रदर्शित होगी सनी देओल की 'बॉर्डर-2'

मुंबई/एजेन्सी

गदर-2 की जबरदस्त सफलता के बाद से सनी देओल की माँग हिन्दी फिल्मों में अचानक से बढ़ गई है। उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्मों के सीक्वल को लेकर कई फिल्मों की तैयारी चल रही है। उन्हीं में एक शामिल है जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी फिल्म बॉर्डर। इस फिल्म ने अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे। फिल्म 'बॉर्डर' के सीक्वल को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। 'बॉर्डर 2' को निर्माताओं ने अब सिनेमाघरों में कब प्रदर्शित करेंगे इसकी जानकारी साझा की है। सनी देओल और आयुष्मान खुराना की इस फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कर्स ने फिल्म 'बॉर्डर 2' को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज करने की योजना बनाई है। ऐसे में यह फिल्म 26 जनवरी, 2026 को रिलीज की जाएगी। मेकर्स के मुताबिक, भारतीय सैनिकों की बहादुरी का जश्न मनाने वाली इस फिल्म की रिलीज के लिए गणतंत्र दिवस से बेहतर समय नहीं हो सकता है। फिल्म 'बॉर्डर' में सनी देओल पहले से थे। वह अब इसके सीक्वल में भी नजर आएंगे। सनी देओल के साथ एक्टर आयुष्मान खुराना ने फिल्म 'बॉर्डर 2' साइन कर ली है। इस फिल्म का डायरेक्शन अनुराग सिंह करेंगे। यह फिल्म भारत की अब तक की सबसे बड़ी वॉर ड्रामा फिल्म होगी।

फिल्म 'लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस' में नजर आएंगे डैन चुपोंग और टोनी जा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। थाई मार्शल आर्टिस्ट और अभिनेता डैन चुपोंग व टोनी जा 'लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस' में अभिनय करते दिखाई देंगे। साल 2023 में आई 'लकड़बग्घा' की सीक्वल के रूप में आने वाली फिल्म 'लकड़बग्घा 2' में अंशुमान झा, रिद्धी डोगरा और एक्षा केरुंग मुख्य भूमिका में होंगे। झा ने कहा कि वह चुपोंग और टोनी जा जैसे 'कुछ सबसे बड़े एशियाई सितारों' के साथ काम करके खुश हैं। इसमें सनी पांग भी दिखाई देंगे। उन्होंने कहा, सनी पांग, डैन चुपोंग, टोनी जा कुछ सबसे बड़े एशियाई सितारे हैं और मैं इन एशियाई सितारों का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनमें से किसी के साथ भी एक एक्शन फिल्म में काम करना एक बड़ी जिम्मेदारी होने के अलावा, मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। इस साल संजय शेट्टी द्वारा निर्देशित फिल्म 'लकड़बग्घा 2' इस साल के आखिर में सिनेमा घरों में आएगी। पहली फिल्म एक एक्शन फिल्म थी जिसकी कहानी मार्शल आर्ट मास्टर अर्जुन (झा अभिनीत) के इर्द-गिर्द थी, जो फिल्म में जानवरों के रक्षक के रूप में दिखाई देता है। एक लकड़बग्घा को शिकारियों से बचाने के बाद वह अवैध पशु व्यापारियों के साथ कैसे घुलमिल जाता है, यह कहानी का कथानक है। विक्टर मुखर्जी द्वारा निर्देशित और आलोक शर्मा की पटकथा पर बनी 'लकड़बग्घा' में मिलिंद सोमण ने भी अभिनय किया था।

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में काम करेंगी रश्मिका मंदाना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर में काम करती नजर आ सकती है। सलमन खान ने इस साल ईद के अवसर पर अपनी नई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर' अनाउंस की थी। कहा जा रहा है कि सलमान खान एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर' का पहला शेड्यूल मई में शुरू करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन मुरुगादॉस करेंगे। कहा जा रहा है कि सलमान खान की एक्शन ड्रामा फिल्म सिकंदर के लिए अभिनेत्री का नाम फाइनल हो गया है। रश्मिका मंदाना फिल्म सिकंदर में सलमान खान के अपोजिट काम करती नजर आ सकती हैं।माना जा रहा है कि रश्मिका मंदाना सुपरस्टार सलमान खान के साथ पहली बार काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार भी हैं। फिल्म 'सिकंदर' का प्रोडक्शन साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं।'सिकंदर' अगले साल ईद 2025 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'ठग लाइफ' में नजर आएंगे अभिनेता अली फजल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई।फिल्म जगत के दिग्गज कमल हासन और मणिरत्नम की आने वाली फिल्म 'ठग लाइफ' में अभिनेता अली फजल दिखाई देंगे। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मणिरत्नम और दिग्गज अभिनेता हासन 35 साल बाद साथ में काम करेंगे। वे हासन की 234वीं फिल्म के लिए फिर से साथ काम करने वाले हैं। इससे पहले उन्होंने 1987 की हिट फिल्म 'नायकन' में एक साथ काम किया था। फज़ल ने फिल्म की शूटिंग शुरु कर दी है। फिल्म में उनके साथ सिलंबरसन, तृषा, अशोक सेल्वन, अभिरामी, नासर, जोजू जॉर्ज, ऐश्वर्या लक्ष्मी और वैयापुरी नजर आने वाले हैं।

फज़ल ने कहा, 'मैं 'ठग लाइफ' के लिए मणि सर की सोच का हिस्सा बनकर वास्तव में रोमांचित हूं और मैं केवल उम्मीद कर सकता हूं कि मैं इस फिल्म में कुछ बेहतर कर पाऊंगा। कमल हासन सर के साथ काम करना और इस पर उनके साथ नोट्स साझा करना भी एक सम्मान की बात है। ओटीटी शो 'मिर्जापुर' से मशहूर हुए अदाकार फज़ल ने कहा, भारतीय सिनेमा के दो दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिलना शानदार बात है। मुझे यह भूमिका सौंपने के लिए मैं मणि सर का बहुत आभारी हूं और इसे पर्दे पर प्रस्तुत करने के लिए उत्सुक हूं। 'ठग लाइफ' का निर्माण उदयनिधि स्टालिन की रेड जियांट मूवीज, राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसका संगीत ए. आर. रहमान द्वारा तैयार किया जाएगा। फजल को हाल में 'फुकरे 3' और विशाल भारद्वाज की 'खुफिया' में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म निर्माता अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' होगी जिसमें उनके सह-कलाकार आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा और फातिमा सना शेख हैं।

मनोज वाजपेयी की फिल्म 'भैया जी' का नया ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म 'भैया जी' का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। भैया जी ,मनोज बाजपेयी के करियर की 100वीं फिल्म है। 'भैया जी' का नया ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।ट्रेलर की शुरूआत में फिल्म का एक किरदार बार-बार पूछता है कि भैया जी कौन है? बार-बार पूछने पर भी जब उसे जवाब नहीं मिलता तो वह एक बार फिर चिल्लाकर पूछता है।इसके जवाब में दूसरा किरदार कहता है कि पॉलिटिक्स की बात करें को सत्ता पक्ष को विपक्ष और विपक्ष को सत्ता पक्ष करने के मास्टरमाइंड भैया जी। उनके फावड़े ने हजारों कुकर्मियों को संसार से मुक्त किया है। एक समय था, जब कुकर्मी मात्र उनकी कहानियां सुनकर कुकर्म त्याग देता था। उस समय सरकार भी वही थे, प्रजा भी वही थे, क्राइम भी वही थे, कानून भी वही थे।भैया जी, रॉबिन हुड नहीं हैं वो उसका बाप है। भैय्या जी,गांव पुपड़ी, जिला सीतामंडी, बिहार। एक सीन में मनोज बाजपेयी ऐलान करते हैं कि 'निवेदन नहीं नरसंहार होगा, नरसंहार।

'भैया जी' को विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल और शैल ओसवाल ने प्रोड्यूस किया है। मनोज बाजपेयी इस फिल्म को को-प्रोड्यूसर भी हैं।

फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है।फिल्म की सिनेमैटोग्राफी अर्जुन कुकरेती ने की है। यह फिल्म कथित तौर पर एक ऐसे व्यक्ति की कहानी पर आधारित है जो अपने परिवार के लिए खड़ा होता है और अपने परिवार के साथ हुए सभी गलत कामों के लिए संबंधित लोगों से बदला लेने के लिए दृढ़ संकल्प लेता है।फिल्म 'भैया जी' 24 मई को रिलीज होगी।

रेखा ने 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' में सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय की तारीफ की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा ने वेबसीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय की तारीफ की है। संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा ,संजीदा शेख फरदीन खान और शेखर सुमम जैसे कलाकार शामिल हैं। हीरामंडी: द डायमंड बाजार हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हुयी है।'हीरामंडी द डायमंड बाजार' में सोनाक्षी सिन्हा ने दोहरी भूमिका निभायी है। सोनाक्षी सिन्हा ने रेहाना और फरीदान की भूमिका निभायी है, जो मां बेटी होती हैं। सोनाक्षी के इन किरदारों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं ।

इस बीच रेखा ने भी सोनाक्षी की तारीफ की है। हाल ही में 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' की शानदार स्क्रीनिंग हुई थीं, जिसमें पूरी स्टार कास्ट के साथ-साथ रेखा भी शामिल हुयी थी। इस दौरान उन्होंने सोनक्षी के किरदार को लेकर उनकी तारीफ की। इसका खुलासा सोनाक्षी सिन्हा ने किया है। सोनाक्षी ने बताया कि, यदि मैं इसके बारे में सोचती हूं तो भी मैं अवाक रह जाती हूं। रेखा बहुत रोमांचित थी। उन्होंने मेरी मां से कहा था कि वह मेरी दूसरी मां है और वो मेरी बेटी है, आपकी बेटी नहीं और मुझसे बहुत प्यार करती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 11-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी वाणी में झलकता है। जिस तरह संगीत वाद्ययंत्र की पहचान उसके स्वर से होती,उसी तरह व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है। कर्मसत्ता ने हमें दो कान और एक मुंह दिया है ताकि सुने ज्यादा और बोले कम। ये कभी न भूले कि बोलना मुंह का पार्ट टाइम काम है, मुंह का मुख्य काम खाना खाना और पानी पीना है। लेकिन लोगों ने मुंह का मुख्य काम बोलने का बना दिया है। भाषा की सबसे बड़ी परेशानी ये है कि हम जो बात दूसरों तक पहुंचाना चाहते हैं वो सामने वाले व्यक्ति तक उसी स्वरूप में उसी अवस्था में नहीं पहुंच पाती।

भगवान परशुराम जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुरु। यहां तिरुपूर कि ब्राह्मण समाज की ओर से अरुल ज्योति नगर में महावीर प्रसाद शर्मा के यहां सुबह 9.30 बजे भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई। पंडित सुनिल दाधीच के साथ ब्राह्मण समाज के उपस्थित सभी सदस्यों ने गणेश वन्दना के साथ भगवान परशुराम की आरती एवं वंदना करके जन्मोत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में आए समाज सभी सदस्यों ने बधाई बांटी एवं समाज को एकजुट एवं भाईचारा कि बात कही। कार्यक्रम में सुनील पंडित, महावीर प्रसाद शर्मा, नवीन वशिष्ठ, अशोक शर्मा, संतोष शर्मा, संदीप महर्षि, पवन शर्मा, राजकुमार शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, विकास शर्मा, लीलाधार शर्मा, अनिल शर्मा,सौरभ शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सहयोग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अक्षय तृतीया पर 72वें वर्ष पूर्व श्रमण संघ की स्थापना हुई थी। कोयम्बटूर में शुक्रवार को अक्षय तृतीया के मौके पर श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर)के तत्वावधान में मादे गौंडन पुदुर स्थित राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को गर्मी की छुट्टियों को देखते हुए विशेष पठन पाठन सामग्री और मिठाई व अन्य वस्तुएं वितरित की गई। इस मौके पर संस्थापक राजेश गादिया एवं सदस्य हेमंत भंसाली आदि उपस्थित थे।

सहयोग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के राजस्थानी संघ द्वारा तीन साल की बच्ची हंसिका जोशी के इलाज के लिए 1 लाख 1 हजार रुपए की सहायता राशि भेंट की गई। संघ के अध्यक्ष गोयमचन्द श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में कमिटी सदस्य ने तेपाकुलम मैदान के पास रहने वाले श्रवण जोशी को यह राशि दी। संघ के सदस्यों ने बच्ची के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की।

अमृतवाणी सत्संग कल

चेन्नई। यहां गत 28 वर्षों से साहुकारपेट में अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार द्वारा सत्संग का आयोजन करता आ रहा है। यह सत्संग हर रविवार को एरुलाप्पन स्ट्रीट स्थित सिंधी धर्मशाला के परिसर में होता है। सुबह 10 बजे से शुरु होने वाले इस सत्संग में विशेषकर श्री सत्यानंद बाबा द्वारा रचित अमृतवाणी का पाठ एवं भजन कीर्तन होता है। सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है प्रत्येक रविवार को होने वाले इस सत्संग का लाभ उठावें। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविन्द कुमार दाधीच ने दी।

'संगीत व विभिन्न नादों से कम होती हैं मानसिक समस्याएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित 'हीलिंग वेव्स-डाइव इंटू साउंड थेरेपी' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर ड्रम्स इवेंट इंडिया के संस्थापक एवं प्रशिक्षक शैमरॉक ने मल्टीडाइमेंशनल म्यूजिक थेरेपी, हीलिंग विद वॉइस, बाय न्यूरल साउंड थेरेपी, साइकोजयोमेट्रिक म्यूजिक, नॉर्डऑफ-रॉबिन्स, हीलिंग विथ सिंगिंग बाउल, सोनिक एक्यूपंक्चर, ब्रेनवेव इनट्रेनमेंट आदि थेरेपी का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि इस चिकित्सा में विभिन्न नाद सुनकर, गाने के साथ गुनगुनाकर, संगीत की धुन पर झूमकर, मेडिटेशन, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट बजाकर अनेक मानसिक बीमारियों से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जा सकता है।

सह-प्रशिक्षक एवं संस्थापक ट्रस्टी शिल्पी दास ने ध्वनि चिकित्सा के लाभ और विज्ञान के बारे में बताया तथा विभिन्न प्रकार के उपकरणों के माध्यम से व्यायाम, शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने, मन को शांत करने और आत्मा को जागृत करने का अभ्यास करवाया।

कोयम्बटूर में अक्षय तृतीया महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। अक्षय तृतीया के मौके पर तपस्वियों की शोभायात्रा साध्वीश्री सोमयांजनाश्रीजी के सान्निध्य में निकाली गई। शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर से शोभायात्रा शुरु होकर डीबी रोड स्थित राजस्थानी संघ भवन पहुंची। इस धर्मसभा में साध्वीश्री ने अक्षय तृतीया के महत्व को समझाते हुए कहा कि अक्षय तृतीया का सीधा संबंध युगादि पुरुष भगवान ऋषभदेव से है। जब सब कुछ छोड़ कर वह त्यागी बने तो एक वर्ष तक उन्हें भोजन नहीं मिला। उस समय के लोगों ने साधु-साध्वी को देखा नहीं था। वे साधुवृत्ति से सर्वथा अनजान थे। इसलिए प्रभु के त्याग और आहार की विधि को कोई जानता और पहचानता भी नहीं था। वैशाख शुक्ला तृतीया के पुण्य दिन ठीक एक वर्ष के बाद हस्तिनापुर में राजकुमारश्रेयांस के हाथ से उन्हें ईख के रस से पारणा करना पड़ा था।

यही इस तृतीया का इतिहास है, और यही वहीं उसका महत्त्व है। जिसके कारण वह सदा के लिए अक्षय बन गई। वैशाख शुक्ला तृतीया को दान-तृतीया भी कहा जा सकता है, किन्तु उसे दानतृतीया न कह करके जो अक्षयतृतीया कहा गया है।

कार्यक्रम में सबका स्वागत पूनम पारेख ने किया। इस कार्यक्रम में ऊटी, कुनूर, चेन्नई, बेंगलूरु, मुंबई, तिरुपुर, इरोड और अन्य स्थानों पर श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। इस पूरे दिन के कार्यकर्म के लाभार्थी परिवार रहे पूनम पारेख, संजय पारेख, करण पारेख, रंजना, नमिता का खरतरगच्छ संघ के सचिव श्याम सुंदर लूनिया और महिला परिषद के अध्यक्ष शिल्पा नाहटा द्वारा सम्मान किया गया। इससे पूर्व मंदिर में मैसूर से पधारे सरगम मंडल द्वारा विधि विधान से पूजन किया गया।

कला, संस्कृति, विज्ञान के आदि पुरुष थे भगवान आदिनाथ : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

अक्षय तृतीया पर्व पर पन्द्रह तपस्वियों ने तप की, की पूर्णाहुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आज का दिन भगवान ऋषभ के तपश्चरण के पुण्यस्मरण का दिन है। चित्त (देने की भावना), वित्त (सुजता आहार-पानी, वस्तु) एवं पात्र (चारित्रिक आत्माएं) इन तीनों के मिलन से ही सुपात्र दान का लाभ मिलता है। आज ही के दिन राजकुमार श्रेयांस, इक्षु रस और भगवान ऋषभदेव के संयोग से दान की महिमा उजागर हुई। उपरोक्त विचार तेरापंथ सभा भवन, ट्रिप्लीकेन में 15 वर्षीतप करने वाले साधकों की अनुमोदना में समायोजित अक्षय तृतीया समारोह में धर्मपरिषद् को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने कहें। साध्वीश्री ने आगे कहा कि जो कर्मशूर होते है वो ही धर्मशूर होते है। इस अवसरपिणी काल में ऋषभदेव ने कला, संस्कृति, विज्ञान की नींव रखी। असि, मसि, कृषि के साथ 72 कलाओं का प्रशिक्षण दिया। सामाजिक व्यवस्था का प्रादुर्भाव करने के बाद संयम पथ पर गतिशील हुए। आध्यात्म का मार्ग बताया और बताया कि भौतिकता को छोड़ कर ही शाश्वत सुख-शांति को पाया जा सकता है। मोक्ष का आरोहण हो सकता है।

विशेष पाथेय प्रदान करते हुए साध्वी श्री ने कहा कि माता पिता बच्चों के लिए जैसे वसीयत छोड़ जाते है, उसी तरह आदिनाथ प्रभु ने हमें शिक्षा रुपी वसीयत देकर गये कि कर्मों का भुगतान स्वयं को ही करना पड़ेगा। लगभग 12 घड़ी के अन्तराय ने ऋषभदेव को 12 महिने तक के अन्तराय का भुगतान कराया। अतः हमें जीवन में सत् कर्मों का उपार्जन करना चाहिए।

साध्वीश्री मयंकप्रभा ने कहा कि आज के दिन का महत्त्व सभी धर्मों में बताया गया है। जैन धर्म में जहां आज के दिन आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को प्रथम आहार प्राप्त हुआ। वहीं मान्यता है आज के दिन मां गंगा का अवतरण हुआ था, कृष्ण और सुदामा का मिलन हुआ था, परशुराम का जन्म भी आज हुआ था। साध्वी श्री दक्षप्रभा ने 'अक्षय तृतीया का त्यौहार, नाभी अगंज की जयकार' एवं साध्वी मैरूप्रभा ने 'बोलों आदिनाथ की जयकार, तपस्वियों की जयकार' सुमधुर गितिका प्रस्तुत करते हुए तपस्वियों का अभिनंदन किया।

प्रखर व्यक्ता गौतमचंद सेठिया ने कहा कि भगवान आदिनाथ के जीवन दर्शन से भावित होकर हमें भी अपने जीवन में ज्ञान के साथ तप का समन्वय करना चाहिए। ट्रिप्लीकेन ट्रस्ट बोर्ड प्रबन्धन्यासी सुरेशचन्द संचेती ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मंत्री विजयराज गेलड़ा ने आभार व्यक्त किया। मंगल पाठ के स्मरण के साथ अभिनन्दन समारोह सम्पन्न हुआ। परिजनों, श्रावक समाज ने तपस्वियों को इक्षुरस से पारणा कराया।

'शब्द' साहित्यिक संस्था की काव्य गोष्ठी कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' बेंगलूरु की मासिक रचना गोष्ठी रविवार को मध्यान्ह 3 बजे से जैन विश्वविद्यालय के स्कूल आफ साइंसेज (अंडरग्रेजुएट स्टडीस) जे.सी. रोड कैंपस में आयोजित है। इस गोष्ठी के मुख्य अतिथि होंगे प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल, (आचार्य हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस), विशिष्ट अतिथि- विनोद कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ कवि, मुंबई, व दूसरे विशिष्ट अतिथि- भालचंद्र जोशी, वरिष्ठ लेखक, दिल्ली, होंगे। यह रचना गोष्ठी सुधा अरोड़ा, सुप्रसिद्ध कथाकार, मुंबई के सान्निध्य में आयोजित है । कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे 'शब्द' साहित्य संस्था के अध्यक्ष डॉ. श्रीनारायण समीर एवं कार्यक्रम का संचालन करेंगी संस्था की सचिव उषा रानी राव। इस अवसर पर कवि कुमार गोरख देवेंद्र के काव्य संग्रह 'बिखरे रंग हजार' पुस्तक का लोकार्पण भी रखा गया है।

कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा ने शहर के सभी कवियों एवं साहित्य प्रेमियों को काव्य रस का आनंद लेने एवं साहित्य सम्बल हेतु कार्यक्रम में सहभागी बनने का आग्रह किया है ।

अक्षय तृतीया पर शुरु हुआ सालासर बालाजी मंदिर का निर्माण कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड रांका कॉलोनी में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर के भूखण्ड पर अक्षय तृतीया के अवसर पर सालासर बालाजी सेवा समिति द्वारा मंदिर निर्माण का कार्य शुरू किया गया तथा विशेष पूजा की गई। इस मौके पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, उपाध्यक्ष सतीश मित्तल, संजय शाह व मनीत सोमानी ने पूजा कर निर्माण कार्य शुरु किया।

संस्कृति जायसवाल ने 'होट मोड मिसेज इंडिया' का खिताब जीता

आत्म निर्भरता के लिए हर महिला के पास आमदनी का स्रोत होना जरूरी : संस्कृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। किसी ने सच कहा है कि अगर आपके अंदर कुछ करने का मन हो, इच्छा शक्ति और दृढ आत्मविश्वास हो तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करने से नहीं रोक सकती है। इस कथन को सच कर दिखाया है बेंगलूरु की रहने वाली संस्कृति जायसवाल ने। उन्होंने हाल ही में दुबई में आयोजित एक प्रतियोगिता में हॉट मोड मिसेज इंडिया का खिताब अपने नाम किया है।

संस्कृति अपने इस खिताब का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत, बड़ों का आशीर्वाद तथा अपने परिवार वालों के सहयोग को देना चाहती हैं। संस्कृति का कहना है कि यहीं पर उनका सफर खत्म नहीं होता है, वह चाहती हैं कि हर एक महिला आत्मनिर्भर हो, भले ही कम या ज्यादा, लेकिन हर महिला के पास उनकी आमदनी का स्रोत होना चाहिए। इससे महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है तथा दूसरों पर निर्भरता भी कम होती है। संस्कृति समाज कल्याण के क्षेत्र में भी बहुत काम करना चाहती हैं। वह चाहती हैं कि हर एक बच्चे को शिक्षा मिले, हर एक महिला को उनका अधिकार मिले। यही नहीं, संस्कृति जायसवाल पर्यावरण के क्षेत्र में भी बहुत ही जागरूक हैं। वह कहती हैं कि हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए जिससे हम अपने पर्यावरण की रक्षा कर सकें।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.